साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 120 | जौनपुर, गुरूवार, 19 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में चुनाव जीतने के बाद 'आप' वृद्धजनों के निःशुल्क इलाज की योजना शुरू करेगी : केजरीवाल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को घोषणा की कि दिल्ली में उनकी पार्टी के सत्ता में लौटने पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के निःशुल्क उपचार के लिए 'संजीवनी योजना' शुरू की जाएगी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव अगले साल फरवरी में प्रस्तावित है। केजरीवाल ने कहा कि इस योजना के लिए पंजीकरण दो–तीन दिन में शुरू हो जायेगा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि आम आदमी पार्टी के स्वयंसेवी इस योजना के लिए पात्र बुजुर्गों का पंजीकरण कराने के लिए घर–घर जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव के बाद 'आप' सरकार इस योजना को लागू करेगी।

बंगाल सरकार गंगा सागर तीर्थयात्रियों के लिए पुल बनाने पर 1,500 करोड़ रुपये खर्च करेगी : ममता

बंगाल ,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार गंगासागर वार्षिक मेला आयोजन स्थल पर मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली एक नदी पर पांच किलोमीटर लंबा पुल बनाएगी। बनर्जी ने कहा कि केंद्र ने इस संबंध में उनकी बार–बार की गई अपील पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार लेन वाले पुल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। बनर्जी ने प्रस्तावित पुल का नाम 'गंगासागर सेतु' रखा और कहा कि राज्य इसके निर्माण पर 1,500 करोड़ रुपये खर्च करेगा, जिसकी निविदा जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा, "हमने केंद्र सरकार से बार–बार पुल के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इसलिए, हमने इसे खुद बनाने का फैसला किया है। अपेक्षित सर्वेक्षण किया गया और परियोजना के लिए डीपीआर तथा निविदा पूरी हो गई।

बीजेपी ने राजनैतिक फायदे के लिये संभल-बहराइच में कराई हिंसा : सपा

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने राजनीतिक फायदे के लिए संभल की घटना कराई है। 17 दिसंबर को विधानसभा में अपने संबोधन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने सरकार से कहा कि प्रदेश को सांप्रदायिकता की आग में जाने से बचाइये। इससे आपसी भाईचारा टूटेगा। विधानसभा में सपा ने संभल व बहराइच की घटना पर सरकार को घेरने की कोशिश की। सपा सदस्य व संभल के विधायक इकबाल महमूद का नाम लेकर सीएम योगी ने बयान दिया था इस पर महमूद ने कहा कि उपचुनाव में वोट डालने नहीं दिया गया। 23 नवंबर को उपचुनाव का परिणाम आया, अगले ही दिन 24 नवंबर को फिर से सर्वे टीम पहुंच गई। वहां जय श्रीराम के नारे लगाए गए। इससे वहां तनाव हो गया। मैं और मेरा बेटा वहां नहीं थे फिर भी हमारे नाम आ गए। भाजपा ने राजनीतिक फायदे के लिए यह घटना कराई। सपा विधायक ने मुख्यमंत्री योगी के बटेंगे तो कटेंगे के नारे को याद करते हुए कहा कि फिर आप हमें क्यों बांट रहे हो।

अयोध्या में मस्जिद बनाने का कोई प्रयास नहीं हुआ जमीन ली जाए वापस : सीएम योगी

अयोध्या,(संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के एक नेता ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अयोध्या में मस्जिद के निर्माण के लिए आवंटित जमीन वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने दावा किया कि इस काम के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है। नवंबर 2019 में, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अयोध्या में उस स्थान पर मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया था, जहां 16वीं सदी की बाबरी मस्जिद हुआ करती थी। इसी आदेश में, शीर्ष अदालत ने सरकार को मस्जिद के निर्माण के लिए अयोध्या में पांच एकड़ का भूखंड आवंटित करने का निर्देश दिया था। सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने बाद में जिले के धन्नीपुर क्षेत्र में सरकार द्वारा आवंटित पांच एकड़ भूमि पर एक नयी मस्जिद के निर्माण के लिए इंडो इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन का गठन किया। भाजपा नेता रजनीश सिंह ने 10 दिसंबर को मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से, "मुस्लिम समुदाय द्वारा मस्जिद निर्माण के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया है।" उन्होंने आरोप लगाया कि उनका "इरादा वहां मस्जिद बनाने का कभी नहीं था, बल्कि मस्जिद के बहाने कलह को कायम रखना था।" सिंह ने आदित्यनाथ को लिखे पत्र में कहा, " सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत अयोध्या में सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को आवंटित भूमि का उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है, मुस्लिम समुदाय का इरादा कभी भी मस्जिद का निर्माण करना नहीं था, बल्कि मस्जिद की आड़ में अशांति और अव्यवस्था कायम रखना था, हालांकि, आपके नेतृत्व के कारण यह संभव नहीं हो पाया।" सिंह ने कहा, "वैसे भी नमाज अदा करने के लिए मस्जिद की आवश्यकता नहीं है।" सिंह ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, "मुस्लिम समुदाय इस मस्जिद के माध्यम से केवल बाबर की विरासत को संरक्षित करना और बाबरी मस्जिद के नाम पर हिंदू भावनाओं से खिलवाड़ करना चाहता है।" जब 'पीटीआई–भाषा' ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए अयोध्या मस्जिद ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन से संपर्क किया, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। सिंह ने 2022 में लखनऊ हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया था कि ताजमहल भगवान शिव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर है और इसे "तेजो महालय" के नाम से जाना जाता है।

एक साथ चुनाव संबंधी जेपीसी में प्रियंका समेत चार कांग्रेस सांसद हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले विधेयक पर विचार करने के लिए गठित होने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में कांग्रेस की तरफ से पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा समेत चार सांसद शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि पार्टी जेपीसी के लिए लोकसभा से प्रियंका गांधी, मनीष तिवारी और सुखदेव भगत तथा राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला का नाम भेज सकती है। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले 'संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024' और उससे जुड़े 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को निचले सदन में पुरूस्थापित करने के लिए रखा, जिनका विपक्षी दलों ने पुरजोर विरोध किया। सदन में मत विभाजन के बाद विधेयक को पुरूस्थापित कर दिया गया। विधेयकपेश किए जाने के पक्ष में 263 वोट, जबकि विरोध में 198 वोट पड़े। इसके बाद मेघवाल ने ध्वनिमत से मिली सदन की सहमति के उपरांत 'संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2024' को भी पेश किया।

उत्तर प्रदेश सरकार ने की 1,26,371 शिक्षकों की नियुक्ति : संदीप सिंह

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 1,26,371 शिक्षकों की नियुक्ति कर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों की दशा और दिशा बदलने का कार्य किया है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने विधानसभा में यह जानकारी देते हुए कहा कि सरकार छात्र–शिक्षक अनुपात को संतुलित करने और शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। सिर्फ शिक्षकों की नियुक्ति ही नहीं, सरकार खेलकूद और सर्वांगीण विकास को भी प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद परिषदीय विद्यालयों में व्यापक सुधार लाते हुए सरकार ने आधुनिक सुविधाओं और उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा का सपना साकार करने की दिशा में तेजी से काम किया है। प्रदेश में विद्यालय बंद करने का कोई इरादा नहीं है, बल्कि, उन्हें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करके निजी स्कूलों के समकक्ष बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने शिक्षकों की नियुक्ति, छात्रों की संख्या और विद्यालयों के विकास को लेकर सरकार की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सरकार छात्र–शिक्षक अनुपात संतुलित करने और शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। 2018 में 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती के तहत 45,567 शिक्षकों को नियुक्त किया गया। इसके बाद 2020–21 में 69,000 भर्ती प्रक्रिया में 69,000 शिक्षकों को नियुक्ति दी गई। 2023–24 में 12,460 प्राथमिक सहायक अध्यापकों की भर्ती हुई। कुल मिलाकर सरकार ने अब तक 1,26,371 शिक्षकों की नियुक्ति की है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार इन मामलों की गंभीरता से पैरवी कर रही है और नियुक्तियों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए संजीदा है। भविष्य में जरूरत के अनुसार नई नियुक्तियों पर विचार किया जाएगा। सरकार शिक्षा के साथ–साथ छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। विद्यालय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है और खेल उपकरणों के लिए धनराशि भी आवंटित की गई है ताकि छात्रों की प्रतिभा को प्रोत्साहित किया जा सके। मंत्री ने कहा कि 2017 के पहले परिषदीय विद्यालयों की स्थिति खराब थी। सरकार ने 19 अलग–अलग मानकों पर कार्य करते हुए इन विद्यालयों की तस्वीर बदलने का काम किया है। सरकार की मंशा किसी भी विद्यालय को बंद करने की नहीं है, बल्कि आधुनिक और उच्च स्तरीय सुविधाओं वाले विद्यालय खोलने की दिशा में काम किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य सरकारी विद्यालयों में निजी स्कूलों जैसी सुविधाएं निरूशुल्क उपलब्ध कराना है और शिक्षा के साथ–साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

जियाउर्रहमान बर्क ने अपनी गिरफ्तारी पर रोक के लिए पहुंचे इलाहाबाद हाईकोर्ट, दायर की याचिका

लखनऊ,(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने बुधवार को संभल हिंसा मामले में अपनी गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। कि संभल हिंसा को लेकर सात एफआईआर दर्ज की गई हैं। सपा सांसद जियाउर रहमान बर्क और विधायक इकबाल महमूद के बेटे सोहेल इकबाल के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। दोनों पर संभल हिंसा भड़काने का आरोप है। एसपी कृष्णा बिश्नोई ने बताया था कि संभल हिंसा मामले में अब तक 27,00 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है। संभल के समाजवादी पार्टी से सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज है। बर्क ने 29 नवंबर को आईएएनएस से बातचीत में कहा था, "हम सर्वोच्च न्यायालय इसलिए गए थे, क्योंकि हमें उम्मीद थी कि इंसाफ जरूर मिलेगा। कोर्ट ने अच्छा आदेश दिया है। निचली अदालतों में सुनवाई पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, सर्वे की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने को कहा गया है। प्रशासन को हिदायत दी गई है कि वह पूरे मामले में तटस्थ रहे।" सपा सांसद ने कहा था, "अब हम इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका डालेंगे, जिसमें यह मांग करेंगे कि सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज के नेतृत्व में आयोग गठित कर इस मामले की जांच की जाए, क्योंकि प्रशासन द्वारा गठित आयोग से हम लोग संतुष्ट नहीं हैं।" 24 नवंबर को संभल स्थित शाही जामा मस्जिद में सर्वे करने पहुंची टीम और पुलिसकर्मियों पर उपद्रवियों ने हमला कर दिया था। इसके बाद स्थिति हिंसात्मक हो गई थी। इस हिंसा में 5 लोगों की मौत हो गई थी।

देश में हिंदू-मुसलमान के अलावा भी बहुत कुछ, बेरोजगारी बड़ी समस्या : इमरान मसूद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को जमकर घेरा। जिसको लेकर आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। संसद से सड़क तक चर्चा है। उच्च सदन में हुई बहस में उठाए गए मुद्दों को लेकर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने राय रखी। उनके मुताबिक गैर जरूरी मसलों पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि देश में हिंदू–मुसलमान के अलावा भी और बहुत कुछ है। इस देश के अंदर देश का नौजवान बेरोजगार है, देश का किसान परेशान है, देश का व्यापारी बदहाल है। वहीं महंगाई आसमान को छू रही है 100 रुपये मटर बिक रहा है, लोगों को रसोई चलाना मुश्किल हो गया, सरकार को बेवजह के मुद्दों की बजाय जनहित के विषय की तरफ ध्यान देना चाहिए। अमित शाह के यूसीसी वाले बयान पर इमरान मसूद ने कहा कि उसका क्या प्रारूप होगा और किस प्रकार से करेंगे, ये देखने वाली बात होगी। आदिवासी समाज के रीति–रिवाज अलग है। नॉर्थ इंडिया और साउथ इंडिया की अपनी अलग परंपरा है। ये कैसे संभव होगा पता नहीं। मैं अभी इस पर कुछ नहीं कह सकता। मंगलवार को राज्यसभा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा, ष्हमारा लोकतंत्र पाताल से भी गहरा है। कांग्रेस 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण सीमा बढ़ाकर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। दोनों सदन में जब तक भाजपा का एक भी सदस्य है, धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देंगे, ये संविधान विरोधी है। वहीं यूसीसी को लेकर अमित शाह ने कहा कि, ष्हम लोकतांत्रिक तरीके से काम करते हैं। एक ऐसा कानून जिसे सामाजिक जीवन में बड़े बदलाव लाने वाला माना जाता है, उसे उत्तराखंड ने आदर्श कानून के रूप में पारित किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमित शाह पर लगाया अंबेडकर का अपमान करने का आरोप, मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर दिए बयान पर विवाद बढ़ गया है। विपक्ष का आरोप है कि गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में अपने भाषण में डॉ. बीआर अंबेडकर का अपमान किया। जिस पर अब राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमित शाह पर निशाना साधा और उनके इस्तीफे की मांग की। मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, ष्जब अमित शाह डॉ. बीआर अंबेडकर के बारे में बोल रहे थे। उन्होंने कहा था कि आप लोग 100 बार अंबेडकर का नाम लेते हैं, अगर आप इतनी बार भगवान का नाम लेते, तो 7 बार स्वर्ग में जाते। इसका मतलब है कि बाबा साहेब अंबेडकर का नाम लेना गुनाह है और इनका इरादा बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का विरोध करना था। मैंने इसका विरोध किया, लेकिन मुझे मौका नहीं दिया गया। हालांकि बाबा साहेब अंबेडकर पर सदन की कार्यवाही चल रही थी, इसलिए हम सभी ने खामोश रहने का फैसला किया। आज हम सभी पार्टी के नेताओं ने एक होकर इस पर सवाल उठाया। अमित शाह ने बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान किया है वो गलत है। मैं उनके इस्तीफे की मांग करता हूं।ष राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा, ष्उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर और संविधान का अपमान किया है। मनुस्मृति और आरएसएस की उनकी विचारधारा यह स्पष्ट करती है कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान का सम्मान नहीं करना चाहते हैं। हम इसकी निंदा करते हैं और उनके इस्तीफे की मांग करते हैं। उन्हें देश के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। वहीं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी गृह मंत्री अमित शाह पर अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, श्श्देखिए कैसे अमित शाह संसद में बाबा साहेब अंबेडकर का मजाक उड़ा रहे हैं।

कैग रिपोर्ट को दबाने की कोशिश की जा रही है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को कैग रिपोर्ट को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही गंभीर मामला है कि कैग (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) की रिपोर्ट को डेढ़ साल से दबा कर रखा गया। उन्होंने कहा, "रिपोर्ट के बारे में हमारी लगातार मांग है कि इसे हमारे एडवोकेट्स के माध्यम से सार्वजनिक किया जाए और इसे सदन के पटल पर लाया जाए। सरकार इस रिपोर्ट को बार–बार दबाने की कोशिश कर रही है, जो न्यायपूर्ण नहीं है। यह कार्रवाई संविधान के खिलाफ है, और इसे असंवैधानिक माना जा सकता है, क्योंकि यह संविधान के तहत लोगों के अधिकारों का उल्लंघन करती है।" उन्होंने कहा, "हमने सरकार को स्पष्ट रूप से चुनौती दी है कि वह 48 घंटों के भीतर इस रिपोर्ट को दिल्ली विधानसभा के पटल पर लाए। इसके लिए सदन की बैठक बुलाने की भी मांग की है।" उन्होंने कहा, "अगर आम आदमी पार्टी की सरकार इस रिपोर्ट को लेकर अपनी नीतियों से पीछे नहीं हटती, तो हम भारतीय जनता पार्टी के सदस्य चुप नहीं बैठेंगे। हम संघर्ष करते रहेंगे, जब तक यह रिपोर्ट जनता तक नहीं पहुंच जाती।" उन्होंने कहा, "अगर हमें फिर से अदालत में आना पड़े, तो हम आएंगे। हमारा दृढ़ निश्चय है कि इस रिपोर्ट को जनता तक पहुंचाया जाए। हम तब तक शांत नहीं बैठेंगे, जब तक यह रिपोर्ट जनता के हाथों में नहीं आ जाती।" उन्होंने कहा था, "केजरीवाल ने सीएजी (कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाए थे कि सरकार ने सार्वजनिक वित्त का दुरुपयोग किया था और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया था। केजरीवाल की यह शिकायत विशेष रूप से पावर डिस्कॉम और बिजली कंपनियों के खातों के बारे में थी। इसी आधार पर उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) की स्थापना की और जनलोकपाल बिल की मांग को लेकर आंदोलन शुरू किया था।" उन्होंने कहा था, "जब अरविंद केजरीवाल खुद दिल्ली के मुख्यमंत्री बने, तो उनका रुख बदल गया। यह एक बहुत बड़ी विडंबना है कि जिस रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने अपनी राजनीति की शुरुआत की थी, वही रिपोर्ट अब उनके लिए एक चुनौती बन गई है। अरविंद केजरीवाल अब 12 साल पुरानी सीएजी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से बच रहे हैं, ।

पिछले कुछ दशकों से भारत-चीन के रिश्ते तनावपूर्ण रहे : राजीव रंजन

पटना,(एजेंसी)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने मंगलवार को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के चीन दौरे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय से भारत और चीन के रिश्ते तनावपूर्ण रहे हैं। खासकर दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव रहा है। उन्होंने कहा, "दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में मतभेद रहे हैं, इनमें सबसे बड़ा मुद्दा लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश जैसी सीमावर्ती इलाकों में सीमा रेखा का निर्धारण शामिल है। उन्होंने आगे कहा, ष्हालांकि, पिछले कुछ महीनों में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। सीमा पर जो तनाव और सैन्य टकराव की स्थिति बन गई थी, वह अब धीरे–धीरे घट रही है। दोनों देशों ने अपनी सेनाओं की वापसी के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और सीमा पर गश्ती गतिविधियों को लेकर जो प्रतिबंध थे, उन्हें फिर से बहाल किया गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि दोनों पक्ष शांति की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं और सीमा पर शांति बनाए रखने के लिए सहमत हैं।" उन्होंने कहा, "इसके साथ ही व्यापारिक दृष्टिकोण से भी भारत और चीन के रिश्तों में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। भारत और चीन के बीच व्यापार का स्तर बहुत बड़ा है। चीन भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और इसके परिणामस्वरूप भारत के बाजार की भूमिका बढ़ गई है। भारत का यह बाजार अब चीन के लिए भी एक महत्वपूर्ण और आकर्षक बन चुका है। इसके अलावा, व्यापारिक रिश्तों में सुधार से दोनों देशों के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलने की संभावना है।" उन्होंने कहा, "भारत और चीन दोनों ही राष्ट्र विकासशील अर्थव्यवस्थाएं हैं और उनके रिश्तों में सुधार से दोनों देशों को एक–दूसरे के बाजारों, संसाधनों और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। इन परिवर्तनों के चलते न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा मिलेगा,

संपादकीय

विवाह में फायरिंग

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि विवाह आदि खुशी के मौके पर जानलेवा फायरिंग से मातम का माहौल बनने की तमाम घटनाओं के बावजूद इस बुराई पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। विगत में ऐसी अनेक घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई और परिवारों के लिये जीवनभर का दुख छोड़ गए। इस बाबत कई बार अदालतों ने सख्त टिप्पणियां की और सामाजिक स्तर पर भी आवाजें उठी। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात ही रहे। पिछले महीने पंजाब और हरियाणा में ऐसी ही तीन दर्दनाक घटनाएं इस आत्मघाती लापरवाही से सामने आईं। जो इस घातक प्रथा के गंभीर परिणामों को ही उजागर करती हैं। ऐसी ही एक घटना में हरियाणा के चरखी दादरी इलाके में एक बारात के दौरान तेरह साल की एक किशोरी की दर्दनाक मौत हर्ष फायरिंग में हो गई। साथ ही उसकी मां भी गंभीर रूप से घायल हो गई। ऐसे ही एक अन्य वाकये में फिरोजपुर में, एक दुल्हन तब गंभीर रूप से घायल हो गई, जब उसके भाई ने विदाई समारोह के दौरान लापरवाही से पिस्तौल चला दी। वहीं दूसरी ओर अमृतसर में ऐसी ही एक घटना सामने आई जब एक रिसॉर्ट में आयोजित विवाह समारोह में एक महिला हर्ष फायरिंग से घायल हो गई। निश्चित रूप से संवेदनहीनता से उपजी त्रासदियों को रोकने के लिये तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की जा रही है। यकीनी तौर पर इस कुप्रथा को रोकने के लिये जो गंभीर पहल समाज की ओर से होनी चाहिए, वह होती नजर नहीं आ रही है। इन हालात में एक आशा की किरण तब जगी जब सर्वजातीय अठगामा खाप ने जश्न के दौरान होने वाली हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय सामाजिक स्तर पर लिया। निश्चित रूप से खाप पंचायत का यह निर्णय स्वागत योग्य कदम ही कहा जाएगा। उसने चरखी दादरी की दुर्घटना में किशोरी की मौत के बाद यह प्रतिबंध लगाया है। निस्संदेह, खाप पंचायत की ओर से इस बुराई को दूर करने की यह कोशिश उसके सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। खाप ने फैसला लिया है कि ऐसी दुर्घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवायी जाएगी। उस व्यक्ति या परिवार पर जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसी घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी होगा। वक्त की नजाकत को समझते हुए लिया गया खाप का यह फैसला इस खतरनाक परिपाटी के खिलाफ शून्य सहिष्णुता को ही दर्शाता है। इस जानलेवा फायरिंग के खतरों को महसूस करते हुए जागरूकता अभियान चलाने का फैसला भी खाप की ओर से लिया गया, ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ठोस पहल की जा सके। निस्संदेह, समाज में इस घातक दिखावे की सोच बदलने हेतु खाप की रचनात्मक पहल से शादियों व अन्य खुशी के अवसरों पर बंदूकों के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को खत्म किया जा सकेगा। उम्मीद करें कि पंजाब व हरियाणा में विभिन्न सामाजिक संगठनों को इस घातक प्रथा को समाप्त करने के खाप के सामूहिक संकल्प से प्रेरणा मिलेगी। बेहतर हो कि खाप की पहल का अनुपालन हो। हालांकि, सामाजिक स्तर पर यह जमीनी प्रयास महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को भी इस मामले में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए। हालांकि, सुप्रीम व हाईकोर्ट बार-बार जश्न मनाने में गोलीबारी की अवैधता व खतरों की ओर ध्यान दिलाते रहते हैं। साथ ही इसे जीवन के प्रति लापरवाही से उपजा खतरा बताते रहे हैं। बल्कि यहां तक कि कोर्ट ने ऐसे कृत्यों में गैर इरादतन हत्या की कोशिश के रूप में कार्रवाई किये जाने की भी बात कही है। वहीं दूसरी ओर बंदूक से जुड़े नियमों को भी सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही कानूनों के उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अतिरक्त बंदूक लाइसेंसिंग मानदंडों के अतिक्रमण के मामलों को रोकने के लिये सुरक्षा प्रोटोकॉल की शिक्षा दी जानी अनिवार्य की जानी चाहिए। लोगों को जागरूक होकर यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी उत्सव में हर्ष फायरिंग जैसी त्रासदियों की छाया से मुक्त होकर खुशियों के पल बरकरार रहें।

चट मंगनी पट तलाक से हलकान जिंदगी

राकेश

उसके सिर पर बड़ा-सा व्हाइट-क्रॉस चिपका हुआ था। मैंने छेड़ा, 'भाभी जी से झगड़कर आए हो?' वह चौंका, 'तुम्हें कैसे मालूम?' मैं समझा मजाक कर रहा है। दिलो-दिमाग में उसकी सुखी वैवाहिक जीवन की छवि बनी हुई थी। उसने खुद बताया था कि उनकी आपसी समझ कितनी अच्छी है। मैं उनकी 'अंडर-स्टैंडिंग' से प्रभावित था- बीवी हो तो ऐसी। तभी वह उदास-सा बोला, 'नहीं यार, तेरी भाभी ने सिर पर फूल मार दिया।' मैं चौंका, 'अरे! फूल से ऐसी चोट लगती है भला?' वह रुआंसा होकर बोला, 'दरअसल, फूल गमले में लगा था और गुस्से में गमला सहित सिर पर दे मारा।' एक सुखी विवाहित का ऐसा रूप! जब उसकी शादी न हुई थी तब वह मर-मिटने को तैयार था, कहता था- यदि उससे शादी न हुई तो मर जाएगा। अब मर रहा है तो रोता है? यह घटना चुटकुले-सी लगती है। वास्तव में सच्चाई से चुटकुले जनमते हैं। जिसे लोग समाज, राजनीति, व्यवस्था या धर्म के डर से सीधे नहीं सुन पाते, उसे चुटकुला कहकर स्वीकारते हैं। चुटकुले सच्चाई को बेअसर कर देते हैं। आपसी अंडर-स्टैंडिंग का जामा पहने पति-पत्नी घर के बाहर अच्छे लगते हैं। अच्छी पोशाकें, कॉस्मेटिक्स व परफ्यूम का जादू हटते ही सब कुछ बदल जाता है। कुंठाएं, अनबन, तनाव, तू-तू, मैं-मैं, मारपीट और प्रताड़नाएं नर्तन करने लगती हैं। विवाहित जीवन की मधुरता दूसरा खूबसूरत पहलू भी है। खबर है एक विवाहिता ने जहर खाकर जान दे दी तो उसके दुखी पति ने इमारत की चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी। अनोखी है विवाहित जीवन की ऐसी लालसा। प्यार के चरमोत्कर्ष का ऐसा अनूठा रूप है। हालांकि, मसखरे कहते हैं- बगैर शादी मुक्ति नहीं मिलती। शादी पूर्व स्वर्ग से उतरी अप्सरा-सी वधू पति के घर को स्वर्ग बनाती है तथा पति को स्वर्गवासी! बहरहाल, आज मैं कुंवारे दिनों को याद करता हूं तो नाक से 'घर-घर जल' के नलों की तरह सूं-सूं कर हवा निकलती है। मन के नल से आंसुओं की सप्लाई नहीं होती। हमें याद है, हमारी शादी 'चट मंगनी पट ब्याह' के दौर में हुई थी। हमने लड़की देखी और हां कर दी। चट मंगनी हो गई। पंडित ने 27 गुणों का मिलान करके पट ब्याह करा दिया। बस, यहीं गड़बड़ी हो गई। पंडित की गुण-मिलान-एक्यूरेसी ने कठिनाई पैदा कर दी। मेरी प्रत्येक पसंद न-पसंद पत्नी की पसंद न-पसंद से बिल्कुल मिलती है। मुझे खाना-बनाना पसंद नहीं, उसे भी नहीं। मुझे आराम अच्छा लगता है, वह भी आराम-परस्त है। बहरहाल, अब पछताने से क्या होगा? पत्नियां नाराज न हों। उनका दोष नहीं है। विवाहित जीवन के सवालों का कोई अचूक जवाब नहीं होता। कुछ दिनों से पश्चिमी सभ्यता ने नई सोच दी है- चट शादी, पट तलाक।

आर्थिक रोडमैप के साथ दिल्ली से लौटे दिसानायके

पुष्परंजन

सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि कॉमरेड दिसानायके ने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा के लिए भारत को चुना। इससे हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा आएगी।' मोदी ने कहा कि भारत और श्रीलंका बिजली ग्रिड संपर्क और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइन स्थापित करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच निवेश और वाणिज्यिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। दिसानायके की पार्टी, 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की मार्क्सवादी विचारधारा में जड़ें होने के कारण नई दिल्ली में कुछ चिंताएं पैदा हुई थीं, कि उनका झुकाव चीन की ओर होगा। लेकिन, कोलंबो में 'सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स' के कार्यकारी निदेशक पैकियासोथी सरवनमुट्टू के अनुसार, 'नई दिल्ली को अपना पहला विदेशी पड़ाव बनाकर उन्होंने संकेत दिया, कि भारत वास्तव में हमारा सबसे करीबी सहयोगी होगा। यह इस यात्रा का प्रतीकात्मक आयाम है।' सबसे दिलचस्प यह है कि दिसानायके की रविवार से आरम्भ तीन दिवसीय भारत यात्रा पर चीन से अधिक, अमेरिका की नजर रही है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की दिल्ली यात्रा से दस दिन पहले, दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के अमेरिकी सहायक मंत्री डोनाल्ड लू, अमेरिकी वित्त विभाग में एशिया-प्रशांत के उप सहायक मंत्री रॉबर्ट कैप्रोथ, और अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएआईडी) में एशिया ब्यूरो की उप सहायक प्रशासक अंजलि कौर कोलम्बो आये, और उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या, विदेश रोजगार-पर्यटन मंत्री विजिता हेराथ के साथ चर्चा की। अंजलि कौर ने यूएसएआईडी परियोजनाओं को अमल करने में अमेरिकी रुचि का इजहार किया। मतलब, अमेरिका ने बता दिया कि हिन्द महासागर में श्रीलंकन सहयोग हमें मिलते रहना चाहिए। सोमवार को नई दिल्ली में दिसानायके का दिया बयान महत्वपूर्ण है, 'हमने दो साल पहले एक अभूतपूर्व आर्थिक संकट का सामना किया था, और भारत ने उस दलदल से बाहर निकलने में हमारा भरपूर समर्थन किया था।' इस समय श्रीलंका के लिए लाइन ऑफ क्रेडिट (देय भुगतानों) से निपटना सबसे बड़ी चुनौती है। दिसानायके ने इसके लिए 20.66 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देने के लिए भारत सरकार को धन्यवाद दिया, जिससे उस पर ऋण बोझ काफी कम हो गया। नई दिल्ली की सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा, 'हम ऐसा नहीं होने देंगे। हमारी भूमि का किसी भी तरह से उपयोग नहीं किया जाना चाहिए, जो भारत के हित के लिए हानिकारक हो।' श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, 'मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत को हमारा समर्थन और सहयोग निरंतर मिलेगा।' सेंटर फॉर पॉलिसी अल्टरनेटिव्स के कार्यकारी निदेशक सरवनमुट्टू के अनुसार, 'श्रीलंका को भारत और चीन के बीच संतुलन बनाना है, लेकिन दिसानायके बहुत व्यावहारिक हैं। वे कट्टर वामपंथियों की तरह विचारक नहीं हैं। वह जानते हैं कि भारत उसका सबसे करीबी और मुसीबत में मददगार पड़ोसी है। चीन भी श्रीलंका में होगा।' लेकिन इस सवाल पर कि क्या चीन को बड़ी हिस्सेदारी मिलेगी? सरवनमुट्टू बोलते हैं, 'मुझे नहीं लगता, कि ऐसा जरूरी होगा।' राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके की यात्रा से पहले, कोलंबो की ओर से स्पष्ट किया गया कि अडानी समूह द्वारा विकसित किए जा रहे बंदरगाह परियोजना को हमें आगे बढ़ाना है। इससे पहले दिसानायके के कार्यालय ने कहा था, कि हम अडानी परियोजना की समीक्षा करेंगे, क्योंकि हमसे यह छिपाया था कि भारत में एक विशाल सौर ऊर्जा परियोजना को कथित तौर पर 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत योजना के तहत सुविधा प्रदान की जा रही थी। बहरहाल, 'अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड' के शेयर मंगलवार सुबह से चर्चा में हैं। क्योंकि, अडानी समूह की इस कंपनी ने कहा है कि वह अमेरिकी फंडिंग की मांग नहीं करेगी। इसके बजाय, श्रीलंकाई बंदरगाह परियोजना के लिए अपने संसाधनों का इस्तेमाल करेगी। अडानी पोर्ट्स ने कहा कि श्रीलंका में कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल (सीडब्ल्यूआईटी) परियोजना अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है, और अगले साल की शुरुआत तक चालू होने की राह पर है। अडानी पोर्ट्स ने कहा, 'हमने डीएफसी से वित्तपोषण के लिए अपना अनुरोध वापस ले लिया है।' अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ अनिल सरदाना ने बताया, 'श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों मन्नार और पूनरी में 500 मेगावाट की अक्षय ऊर्जा परियोजना प्रगति पर है।' मंगलवार को श्रीलंकाई कैबिनेट द्वारा जारी बयान में कहा गया, 'अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले अडानी समूह की अक्षय ऊर्जा इकाई अडानी ग्रीन एनर्जी को फरवरी, 2023 में 442 मिलियन डॉलर निवेश करने, और मन्नार शहर और पूनरी गांव में 484 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र विकसित करने की मंजूरी मिली थी, जो दोनों श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में स्थित हैं।' अडानी समूह कोलंबो में श्रीलंका के सबसे बड़े बंदरगाह पर 700 मिलियन डॉलर की टर्मिनल परियोजना के निर्माण में भी शामिल है। सितंबर 2021 में शुरू की गई 'सीडब्ल्यूआईटी' परियोजना, श्रीलंका के बंदरगाह क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी

निवेश है। 35 साल के समझौते की कीमत 1 बिलियन डॉलर है। यह टर्मिनल श्रीलंका की सबसे बड़ी और सबसे गहरी कंटेनर सुविधा वाली होगी, जो अल्ट्रा लार्ज कंटेनर वेसल्स को संभालने में सक्षम है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अडानी पोर्ट्स के पास श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी और जॉन कील्स होल्डिंग्स के साथ साझा उद्यम में 51 फीसद हिस्सेदारी है। यह परियोजना 2025 की शुरुआत में चालू होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पीएम मोदी के अलावा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ राष्ट्रपति दिसानायके की बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। डॉ. जयशंकर ने पर्यटन, निवेश और ऊर्जा क्षेत्रों में श्रीलंका का समर्थन करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। चर्चा में मत्स्य उद्योग को आगे बढ़ाना, समुद्र सीमा उल्लंघन करने वाले मछुआरों को कैसे अलर्ट करना है, और श्रीलंका में राष्ट्रीय एकता को कैसे बढ़ावा देना है, जैसे विषय थे। श्रीलंका के रणनीतिकार महसूस करते हैं, कि रामायण ट्रेल के माध्यम से अधिक भारतीय पर्यटकों को लाने के उपाय भी तलाशे जाने चाहिए। मन्नार में दोनों देशों को जोड़ने वाले प्रस्तावित पुल के निर्माण तेज हुआ, तो पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। दोनों देशों के बीच बौद्ध विरासत को विकसित करने की जरूरत है। भारत, श्रीलंका में राष्ट्रीय एकता के निर्माण में भी प्रमुख भूमिका निभा सकता है। इस वास्ते तमिल नेताओं के साथ निरंतर संवाद करना चाहिए। तमिल नेता भड़काऊ बयान देने से बचें, यह प्रयास हो। दक्षिण में कुछ अतिवादी नेता हैं, जिन्होंने अतीत में भारत-श्रीलंका के बीच सम्बन्ध खराब किये हैं। राष्ट्रपति दिसानायके को उन पर लगाम लगानी चाहिए, क्योंकि उन्होंने नस्लवाद या धार्मिक अतिवाद को बढ़ावा देने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का वादा किया है।

व्यावहारिक नीतियों से ही हासिल होंगे लक्ष्य

डॉ. यश गोयल

राजस्थान की भाजपा सरकार ने 2023-28 के लिए दस प्रमुख संकल्पों पर आधारित कार्ययोजनाएं बनाई हैं। इनमें प्रमुख रूप से प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डालर बनाने, बुनियादी सुविधाओं का विकास, सुनियोजित क्षेत्रीय विकास, किसान परिवारों का आर्थिक सशक्तीकरण, बड़े उद्योगों और एमएसएमई को प्रोत्साहन, पर्यावरण संरक्षण, मानव संसाधन और स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार, गरीब और वंचित परिवारों के लिए गरिमामय जीवन सुनिश्चित करना और पारदर्शी प्रशासन के लिए 'परफोर्म, रिफोर्म एण्ड ट्रांसफोर्म' का सिद्धांत लागू करना शामिल है। गत दिनों भजनलाल सरकार की 'राइजिंग राजस्थान इकोनोमिक समिट' में लगभग 32 देशों के आर्थिक विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस आयोजन में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू (सहमति ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समिट में 13 देशों ने राजस्थान को पार्टनर के रूप में चुना, जिनमें जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, रूस, जर्मनी, पोलैंड, सिंगापुर और स्पेन प्रमुख हैं। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन भाषण में कहा कि राज्य न केवल उभर रहा है, बल्कि विश्वसनीय और सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाला भी है। उन्होंने यह भी बताया कि राजस्थान एमएसएमई सेक्टर में भारत के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल है, जहां 27 लाख से ज्यादा छोटे उद्योग और 50 लाख से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं। इसके अलावा, राज्य इस दशक के अंत तक 500 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही, नए उद्योग लगाने के लिये आश्वस्त किया कि राज्य में वन विंडो और अत्यंत पारदर्शी माहौल है। सरकार ने नौ नई पॉलिसियों के माध्यम से निवेशकों को विश्वास दिलाया है कि एमएसएमई, कलस्टर डेवलपमेंट, क्लीन एनर्जी, एक जिला एक उत्पाद, निर्यात प्रोत्साहन, पर्यटन, खनिज, एम-सैंड और एवीजीसी एक्सआर जैसे क्षेत्रों में व्यापार में कोई रुकावट नहीं आएगी। फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भीलवाड़ा में मक्का हब, बाड़मेर में इसबगोल और झालावाड़ में सोयाबीन अग्रणी उत्पाद बनने की संभावना है, यदि सही निवेश आता है। राजस्थान देश में सरसों की 50 प्रतिशत पैदावार करता है और टोंक जिला सालाना लगभग 6,000 करोड़ रुपये का तेल निर्यात करता है। अगर केंद्र और राज्य सरकार सरसों पर लगने वाला टैक्स हटा दें, तो उपभोक्ताओं को सस्ती दर पर खाद्य तेल मिल सकता है। इसके साथ ही, प्रवासी राजस्थानी उद्योगपतियों के कारोबार में परेशानी नहीं आए इसलिये राज्य सरकार ने एक 'प्रवासी विभाग' (मंत्रालय स्तर का) गठन की भी घोषणा की। हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के समय जो रिसर्जेंट राजस्थान-2015 में लगभग 3.37 लाख करोड़ के जो 470-एमओयू हुए, उनमें से केवल 33,000 करोड़ ही धरातल पर उतरे। इसी तरह गहलोत सरकार के चौथे साल में जो इन्वेस्ट मीट 12.53 लाख करोड़ के एमओयू में से लगभग 26000 करोड़ के ही निवेश हुए। राजस्थान ही नहीं, अन्य राज्यों उ.प्र., मध्य प्रदेश, गुजरात में हुए इकोनोमिक समिट में 2 से 10 प्रतिशत निवेश हुआ है। इनके आयोजन पर कितना अधिकाधिक खर्च होता है, उसका सही हिसाब किसी सरकार ने नहीं किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में 8-9 माह की भयंकर गर्मियों में पानी और बिजली का संकट रहता है। पावरकट की मार उद्योगों को अधिक झेलनी पड़ती है। जमीनी जल उपलब्धता के साथ डार्क जोन बहुत हैं। शहरों के बीच सड़क और रेल मार्ग की दूरी अधिक है। पूर्वी राजस्थान में जयपुर, अलवर और एनसीआर में पहले से ही निवेश हो चुका है, क्योंकि वहां रीको का नीमराना और हरियाणा सीमा पर अच्छा प्रभुत्व है। पश्चिमी राजस्थान में जैसलमेर और बाड़मेर में सोलर ऊर्जा का इतना विस्तार हो चुका है कि वहां गोडावन और पक्षियों का जीवन खतरे में है। खनन और खनिज सेक्टर (बीकानेर, सिरोही, जालोर, जोधपुर और कोटा) में और अधिक संभावनाओं पर सुप्रीम कोर्ट की बार-बार की रोक के कारण संकट बना रहता है। राज्य के बड़े शहरों के बीच एयर कनेक्टिविटी बहुत कम उपलब्ध है, जो विदेशी निवेशकों के लिए एक बड़ी अड़चन है। पर्यटन स्थलों पर अव्यवस्थित गतिविधियों को कोई सरकार सही नहीं कर पाई है। इंटरनेट पर पर्यटन और वन्यजीव सफारी के लिंक राज्य सरकार के आईटी सेल को फेल कर रहे हैं। विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने वाली पैलेस ऑन व्हील्स की आमदनी भी कमजोर हो गई है। राज्य में जयपुर में संचालित अधूरी मेट्रो ट्रेन अब तक लचर है। राज्य के कांग्रेस प्रमुख का मानना है कि इन एमओयू में से वही धरातल पर साकार होते हैं, जिन्हें राज्य सरकार मुफ्त में जमीन देती है। इसके अलावा, नौकरशाही की कार्यप्रणाली और पाबंदियां नए निवेश पर बहुत असर डालती हैं। अगर ये बाधाएं दूर हो जाएं तो औद्योगिक विकास को बढ़ावा देकर राज्य सरकार रोजगार उपलब्ध करा सकती है, गरीबी कम कर सकती है और जीवन स्तर को सुधार सकती है। वरना मरुस्थल का सूखा और प्यास इसी तरह बने रहेंगे।

आरोप-प्रत्यारोप की भेंट चढ़ा संविधान पर चर्चा का सत्र

ललित

सर्वोच्च लोकतांत्रिक सदन लोकसभा संजीदा बहस की जगह हंगामे का केंद्र बनती जा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है। जहां जनता से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस की जगह शोर शराबा, हंगामा और सदन का स्थगित होना ही आम होता जा रहा है। यही बात लोकसभा में संविधान को लेकर हुई दो दिनों की बहस की चर्चा के दौरान देखने को मिली। संविधान निर्माण के 75वें वर्ष पर हुई यह चर्चा भी छिछालेदार, आरोप-प्रत्यारोप एवं उच्छृंखलता का माध्यम बनी, जबकि संविधान पर इस चर्चा से जनता को एवं देश को सही दिशा मिलनी चाहिए थी, संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहरायी जानी चाहिए थी। संविधान जैसे सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय पर सार्थक बहस न होना लोकतंत्र को कमजोर करने एवं लोकतंत्र रूपी उजालों पर कालिख पोतना ही है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम करके आकाश पर पैबंद लगाने एवं सछिद्र नाव पर सवार होकर संविधान रूपी सागर की यात्रा करने का ही संकेत देकर देश की जनता को निराश ही किया है। भले ही अपने तर्कों एवं तथ्यों से पक्ष एवं विपक्ष ने अतीत के प्रसंगों और विषयों को अधिक रेखांकित किया गया हो। निश्चित ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के अलग-अलग नजरियों को स्पष्ट करने वाली यह बहस न केवल समकालीन राजनीतिक मुद्दों पर बल्कि लोकतंत्र, समाज और इतिहास से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलुओं को उजागर करने वाली रही, लेकिन इस बहस में आरक्षण, सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी को शामिल करना विपक्ष की बुद्धि का दिवालियापन ही कहा जा सकता है। इनमें से अनेक प्रसंग और विषय ऐसे थे, जिन पर पहले भी किसी न किसी बहाने संसद के भीतर या बाहर चर्चा होती रही है। यह पहले से दिख रहा था कि विपक्ष संविधान पर चर्चा के बहाने यह बताने की कोशिश करेगा कि संविधान खतरे में है। लेकिन यह समझाने के लिए विपक्षी नेताओं के पास कोई मजबूत तर्क नहीं थे, वे यह स्पष्ट करने में विफल रहे कि आखिर संविधान को खतरा कैसे है? कांग्रेस संविधान पर चर्चा करते समय यह भी भूल गई कि वह यदि मोदी सरकार के एक दशक के कार्यकाल की गलतियां गिनायेगी तो उसे भी अपने चार दशकों के कार्यकाल की गलतियों हिसाब देना होगा। संविधान पर चर्चा के दौरान जैसे विपक्ष ने सत्तापक्ष पर आरोपों की झड़ी लगाई वैसे ही सत्तापक्ष ने भी विपक्ष पर आरोपों की बौछार की। लेकिन यह सब करते हुए पक्ष एवं विपक्ष ने संविधान की विशेषताओं को उजागर करने की सकारात्मकता की बजाय विध्वंसात्मक नीति का ही सहारा लिया। जहां विपक्ष ने आरक्षण विरोधी आरोपों को दोहराते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मूल रूप से आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ है और जब-तब दबे-छुपे ढंग से उसकी यह अंदरूनी इच्छा संघ और पार्टी के छोटे-बड़े नेताओं के बयानों से जाहिर होती रहती है। जवाब में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट किया कि आरक्षण की जो व्यवस्था अभी लागू है, उनकी सरकार उस पर आंच नहीं आने देगी, लेकिन धर्म के आधार पर आरक्षण देने की कोई भी कोशिश वह सफल नहीं होने देगी। जाहिर है, इसमें मतदाताओं को अपनी पाली में करने की दोनों पक्षों की कोशिश भी देखी और पहचानी जा सकती है। सत्तापक्ष और विपक्ष ने संविधान पर चर्चा के बहाने एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने का काम ईर्ष्या और मात्सर्य की भावना से किया, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास को ही बल दे रहा था। लगता है कि विपक्षी नेता यह समझने को तैयार नहीं कि लोकसभा चुनाव के समय उन्होंने संविधान के खतरे में होने का जो हौवा खड़ा किया था, वह अब असरकारी नहीं रह गया है। विपक्ष के रवैये से यही लगा कि उसे यह बुनियादी बात समझने में मुश्किल हो रही है कि जाति जनगणना कराने-न कराने से संविधान की सेहत पर क्या असर पड़ने वाला है? कांग्रेस के लिये यदि जाति जनगणना इतनी ही आवश्यक है तो नेहरू, इंदिरा, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह के कार्यकाल में क्यों नहीं कराई गई? अच्छा होता कि कांग्रेस नेता पहले इस प्रश्न का जवाब देते और फिर जाति जनगणना की आवश्यकता रेखांकित करते। लेकिन विपक्ष एवं विशेषकर कांग्रेस ऐसे मुद्दों को उछालकर खुद ही निरुत्तर होती रही है। पूरी बहस में महापुरुषों को घसीटने का बिंदु ऐसा था जो न केवल बहस का जायका बिगाड़ने वाला कहा जा सकता है बल्कि यह निरुद्देश्यता एवं स्तरहीनता को ही दर्शाने वाला कहा जा सकता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों को यह भी बताना चाहिए कि संविधान पर बहस करते समय सावरकर का नाम लेना और मनुस्मृति दिखाना क्यों आवश्यक हो गया था? कांग्रेस पुराना आरोप भी उछला, लेकिन नई बात यह रही कि इस पर बचाव की मुद्रा अपनाने के बजाय कांग्रेस इस तर्क के साथ सामने आई है कि भाजपा को भी अपनी गलतियों के लिए माफी मांगनी चाहिए। लेकिन यहां इमरजेंसी जैसी कोई भाजपा

को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि सावरकर, मनुस्मृति और अदाणी का उल्लेख करते रहने से उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष की तू-तू मैं-मैं चलती रहती है, लेकिन इसमें महापुरुषों को घसीटना अब बंद होना चाहिए। हमारे हर महापुरुष ने अपने समय, समाज और समझ की सीमाओं में रहते हुए कुछ ऐसा योगदान किया, जिसके लिए हम कृतज्ञ महसूस करते हैं। इसका मतलब उनके हर विचार से सहमति रखना या उनके हर कृत्य को समर्थन देना नहीं है। लेकिन उनके प्रति समाज की या उसके एक हिस्से की भी भावनाओं का सम्मान हमारी राजनीति का हिस्सा होना चाहिए। सत्ता पक्ष ने इमरजेंसी का की गलती बताने में कांग्रेस नाकाम ही रही। एक और बड़ी विडम्बना यह देखने को मिली कि संविधान निर्माण को किसी दल विशेष की देन कहा गया जबकि संविधान निर्माण में सभी दलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष पर विशेषतौर पर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया है कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है, जबकि वास्तविकता यह है कि संविधान के निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका रही है जिसे पूरी तरह से नकार दिया गया। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था, बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था। उन्होंने कहा कि संविधान पार्टी विशेष नहीं बल्कि राष्ट्र का है, पार्टी विशेष ने संविधान निर्माण को हाईजैक कर लिया। निश्चित ही संविधान देश का सुरक्षा कवच है। लोकसभा में संविधान पर बहस की मूल आवश्यकता उन कारणों पर बुनियादी चर्चा की थी जिनके चलते संविधान निर्माताओं के सपने अभी भी अधूरे हैं और नियम-कानूनों पर संविधान की मूल भावना के अनुरूप पालन नहीं हो पा रहा है। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे भाजपा पर निशाना साधा वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू की गलतियां गिनाईं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा ने संविधान के रूप में मिले सुरक्षा कवच को तोड़ा है। भारत का संविधान, संघ का विधान नहीं है। इसी बात को दोहराते हुए अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज देश की सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं। विपक्ष के इन आरोपों में कितनी सच्चाई है यह तो देश एवं दुनिया भलीभांति देख रही है। मोदी के शासन में न केवल देश के भीतर शांति एवं अमनचौन बना है बल्कि सीमाओं पर भी सुरक्षा मजबूत हुई है। पडोसी देश भारत की ओर नजर करने का दुस्साहस नहीं कर पा रहे हैं ।

पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए अधिक से अधिक लगाये वृक्ष - प्रणव जैन

एक वृक्ष मां के नाम के तहत आयोजित हुई कार्यशाला

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।गुरुवार को बनवीरपुर पौधशाला मे एक वृक्ष मां के नाम वृक्षारोपण एवं वानिकी कार्यों से सम्बन्धित कार्यशालाध्गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस मौके पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रणव जैन ने कहा कि अगर पर्यावरण को संतुलित रखना है तो हम सभी को एक वृक्ष मॉ के नाम अभियान तहत अधिक से अधिक वृक्ष लगाना होगा।जिससे जहां एक ओर हम सभी को छायादार फलों के साथ साथ फर्नीचर मिलेगी मजबूत होगी। वहीं सड़कों के किनारे छायादार वृक्ष लगाने से लोगो को धूप हुआ वर्षा से निजात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम सभी को अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाना चाहिए। इस मौके पर जे०पी० गुप्ता, क्षेत्रीय वनाधिकारी, रुदौली द्वारा माइकोप्लान निरूपण के सम्बन्ध में विस्तार से

जानकारी दी गयी।वही रत्नेन्द्र कुमार त्रिगुणायत, क्षेत्रीय वनाधिकारी,अयोध्या रेंज द्वारा पौधाशालाओं में पौध उगान के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।जबकि इस गोष्ठी मे एस०पी०सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी, बीकापुर तथा प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय वनाधिकारी, कुमारगंज, सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह,द्वारा अग्रिम मृदा कार्य एवं पौधरोपण तथा उसकी सुरक्षा एवं देख–रेख के सम्बन्ध में बताया गया।प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग, अयोध्या द्वारा समस्त विन्दुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों को पौधशाला एवं वानिकी कार्यों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण में आने वाली कठिनाइयों तथा उनके समाधान के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी।साथ ही कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियोंध्कर्मचारियों के साथ पौधशाला का भ्रमण करते हुए पौध उगान के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। अन्त में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यशालाध्गोष्ठी का समापन किया गया।इस मौके पर पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र०, शासन द्वारा जलवायु कार्यवाही के स्थानीयकरण हेतु वसुधा फाउण्डेशन, नई दिल्ली के सहयोग से राज्य की 43 ग्राम पंचायतों की क्लाईमेट स्मार्ट कार्ययोजना, मानक संचालन प्रक्रिया और अयोध्या शहर की जलवायु कार्ययोजना तैयार किया गया। इसी के तहत सभी 43 ग्राम पंचायतों की कार्ययोजनाओं का शुभारम्भ किया गया।

पर्यावरण को संतुलित रखने के लिए अधिक से अधिक लगाये वृक्ष – प्रणव जैन

एक वृक्ष मां के नाम के तहत आयोजित हुई कार्यशाला

अयोध्या। गुरुवार को बनवीरपुर पौधशाला मे एक वृक्ष मां के नाम वृक्षारोपण एवं वानिकी कार्यों से सम्बन्धित कार्यशालाध्गोष्ठी का आयोजन किया गया।इस मौके पर प्रभागीय वनाधिकारी प्रणव जैन ने कहा कि अगर पर्यावरण को संतुलित रखना है तो हम सभी को एक वृक्ष मॉ के नाम अभियान तहत अधिक से अधिक वृक्ष लगाना होगा।जिससे जहां एक ओर हम सभी को छायादार फलों के साथ साथ फर्नीचर मिलेगी मजबूत होगी। वहीं सड़कों के किनारे छायादार वृक्ष लगाने से लोगो को धूप हुआ वर्षा से निजात भी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम सभी को अधिक से अधिक संख्या में वृक्ष लगाना चाहिए। इस मौके पर जे०पी० गुप्ता, क्षेत्रीय वनाधिकारी, रुदौली द्वारा माइकोप्लान निरूपण के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गयी।वही रत्नेन्द्र कुमार त्रिगुणायत, क्षेत्रीय वनाधिकारी,अयोध्या रेंज द्वारा पौधाशालाओं में पौध उगान के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।जबकि इस गोष्ठी मे एस०पी०सिंह, क्षेत्रीय वनाधिकारी, बीकापुर तथा प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, क्षेत्रीय वनाधिकारी, कुमारगंज द्वारा अग्रिम मृदा कार्य एवं पौधरोपण तथा उसकी सुरक्षा एवं देख–रेख के सम्बन्ध में बताया गया।प्रभागीय वनाधिकारी, वन प्रभाग, अयोध्या द्वारा समस्त विन्दुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उपस्थित लोगों को पौधशाला एवं वानिकी कार्यों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ वृक्षारोपण में आने वाली कठिनाइयों तथा उनके समाधान के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी।साथ ही कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियोंध्कर्मचारियों के साथ पौधशाला का भ्रमण करते हुए पौध उगान के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। अन्त में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यशालाध्गोष्ठी का समापन किया गया।इस मौके पर पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र०, शासन द्वारा जलवायु कार्यवाही के स्थानीयकरण हेतु वसुधा फाउण्डेशन, नई दिल्ली के सहयोग से राज्य की 43 ग्राम पंचायतों की क्लाईमेट स्मार्ट कार्ययोजना, मानक संचालन प्रक्रिया और अयोध्या शहर की जलवायु कार्ययोजना तैयार किया गया। इसी के तहत सभी 43 ग्राम पंचायतों की कार्ययोजनाओं का शुभारम्भ किया गया।

अमित शाह का पुतला फूंकने की सूचना पर पुलिस ने सछास के जिलाध्यक्ष नजर बंद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 19। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष के घर पुलिस ने अमित शाह की पुतला फूकने जाने की सूचना पर पहुंची और घर में ही नजर बंद कर दिया। जिससे समाजवादी कार्यकर्ताओं के मंसूबे पर पानी फिर गया। बता दे की पुलिस को सूचना लगी की देश के गृह मंत्री अमित शाह का पुतला समाजवादी छात्र सभा के नेताओ और कार्यकर्ता फूंकने की तैयारी की सूचना लगते ही चौकी प्रभारी पूर्वांचल संतोष कुमार यादव मय फोर्स के साथ जगदीशपुर गांव में पहुंचे और वहां समाजवादी छात्र

सभा के जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार प्रजापति को घर पर ही कैद कर दिया और दिन भर निकलने नहीं दिया ।इस दौरान और भी कार्यकर्ताओं को हिदायत देते हुए तलाश जारी रखा । जिसके चलते समाज वादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं नेताओं के मंसूबे पर पानी फिर गया और देश के गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंकने में असफल रहे । समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष दिलीप प्रजापति का कहना है कि कब तक रोकेंगे आज नहीं तो कल हम अपने लक्ष्य पर सफल होंगे। महंगाई भ्रष्टाचार भेदभाव पूर्ण काम का विरोध होता रहेगा।

प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला व जूनियर बालिका हैण्डबाल तथा महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने बताया कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 हैण्डबाल संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन 26 से 29 दिसम्बर, 2024 तक बाराबंकी में तथा प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालिका हैण्डबाल प्रतियोगिता का आयोजन 03 से 06 जनवरी, 2025 तक झांसी में किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर की सीनियर महिला हैण्डबाल व जूनियर बालिका हैण्डबाल खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 21 दिसम्बर 2024 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित सीनियर महिला हैण्डबाल खिलाड़ी ही 23 दिसम्बर, 2024 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयनध्ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में प्रातः 9.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगी। मण्डल स्तरीय चयनध्ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। उक्त के अतिरिक्त जूनियर बालिका हैण्डबाल खिलाड़ियों का मण्डलीय चयन परीक्षण 24 दिसम्बर 2024 को प्रातः 9 बजे से लालपुर स्टेडियम, वाराणसी में किया जायेगा। जूनियर बालिका हैण्डबाल के लिए खिलाड़ियों की जन्मतिथि 01 जनवरी 2005 या उसके बाद की होनी चाहिए। इच्छुक खिलाड़ी निध्ारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण–पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयनध्परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय एवं 'प्रदेश स्तरीय महिला खेल समारोह के अन्तर्गत प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन 25 से 27 दिसम्बर, 2024 तक जौनपुर में' किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक महिला खिलाड़ियों का जनपद स्तरीय चयनध्ट्रायल्स 21 दिसम्बर 2024 इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर तथा मण्डल स्तरीय चयनध्ट्रायल्स 23 दिसम्बर 2024 को डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स काम्पलेक्स सिगरा, वाराणसी में पूर्वान्ह 10 बजे से किया जायेगा। प्रतिभागी महिला खिलाड़ियों की उम्र 25 वर्ष से कम होना आवश्यक है। चयन परीक्षण में इच्छुक प्रतिभागी महिला खिलाड़ी को अपने साथ मूल आयु प्रमाण पत्र लेकर आना अनिवार्य है।

शत चंडी यज्ञ में वेदमंत्रों से गूंज रहा गोमती तट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जन सहयोग से जनकल्याण के लिए सिरकोनी क्षेत्र के शिवपुर गांव के मां दुर्गा मंदिर परिसर में श्री शतचंडी महायज्ञ चल रहा है। श्री धाम अयोध्या से पधारे यज्ञ पुरुष राजेंद्रानंद महराज के सानिध्य में चल रहे इस महायज्ञ के निमित्त वेदमंत्रों से आदि गंगा गोमती का तट गुंजायमान हो उठा है। महायज्ञ में प्रतिदिन चल रही रामकथा में गुरुवार को प्रवचन करते हुए बीकानेर से पधारे शंभूनाथ महराज ने रोचक शैली में नारद मोह का प्रसंग सुनाकर श्रोताओं को अभिभूत कर दिया। उन्होंने कहा कि ईश्वर

की कृपा से कामदेव को जीतने वाले ऋषिराज नारद ने इसे ईश्वर की कृपा की जगह अपना पुरुषार्थ मान बैठे। बस यही अभिमान का भाव था जिसे देखकर भगवान ने अपने भक्त नारद के मोह को दूर करने की लीला रची। उन्होंने कहा कि भगवान अपने भक्तों की हर प्रकार से रक्षा करने को विवश होते है। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में जो भी प्राप्त हुआ है उसे ईश्वर की कृपा मानकर अपने सारे कार्यों को ईश्वर को सौंप देना चाहिए। आयोजन में बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजन में राजनाथ सिंह, जितेन्द्र सिंह बबलू, अजय सिंह, सिंहासन, समर बहादुर सिंह, मुन्ना, विनय सिंह आदि की सक्रिय भूमिका है।

राष्ट्रीय 85 प्रगतिशील समाज पार्टी के नियम एवं जनहित में जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रेस वार्ता

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राष्ट्रीय 85 प्रगतिशील समाज पार्टी के नियम एवं जनहित में जनकल्याणकारी योजनाओं पर प्रेस वार्ता विभिन्न जनपदों से आये पदाधिकारीध्राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा प्रकाश डाला गया है जो निम्नवत् है । पूरे देशध्प्रदेश में सर्वसमाज में दबाये ध सताये जा रहे जनसमूह को पार्टी से 85 प्रतिशत गरीबों की आवाज एवं आवाम बनकर कार्य करने का कार्य करेगी। समय–समय पर हर चुनाव में सताये गये, दबाये गये कलाकारोंध गायकध गायिकाओंध्लोगों को पार्टी अपना टिकट देकर विधानसभाध्लोकसभा समस्त चुनावों में पार्टी की तरफ से 85 प्रतिशत की मदद देकर असेम्बलीध पार्लियामेन्ट में भेजने का कार्य करेगी जिससे सर्वसम्माज के दबे–कुचले लोगों का पार्टी के द्वारा कल्याण होगा। जब–जब देशध्प्रदेश में किसी प्रकार का

जन अन्याय होगा तब–तब पार्टी लगभग 85 प्रतिशत लोगों के साथ जन अन्याय होने से रोकने का कार्य करेगी एवं जनहित में न्याय दिलाने का कार्य करेगी। कभी पार्टी जाति मतभेदध्मनभेद नहीं करेगी। पार्टी कभी भी धर्म विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा नहीं देगी पार्टी हर सम्भव संविधान हित में न्याय की गति को गतिमान करेगी एवं देशहित में प्रदेश हित में एवं दबे कुचले कवि, कलाकारध साहित्यकार एवं लेखाकार के साथ–साथ सर्वजनहित में करने का कार्य करेगी। पार्टी पदाधिकारी हमारे कभी भी कोई कदम अनुशासन में रहकर उठायेगी एवं अनुशासनहीनता का परचम फहराने से बहिष्कृत किया जायेगी। यह निर्णय सर्वमान्य होगा। हमारा हर पदाधिकारी सर्वजन्य में न्याय प्रिय सिपाही होगा।

सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

हाईटेक नर्सरी से प्राप्त पौध से किया बम्पर उत्पादन, हुये लखपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 19 दिसंबर ।जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि उद्यान विभाग द्वारा निर्मित हाईटेक नर्सरी फार वेजिटेबल सीडलिगं इकाई जो जनपद के के0बी0के0 बक्शा मे स्थापित है। उक्त हाईटेक नर्सरी मे वेजीटेबल सीडलिगं पूर्णतया मृदा विहीन, कवक मुक्त, जीवाणुमुक्त, विषाणुमुक्त, सुपर सीडर मशीन द्वारा तैयार किया जाता है। बुआई के पश्चात् वेजीटेबल सीड़लिग को हार्डनिग चौम्बर में रखकर वातावरण के अनुकूल तैयार किया जाता है। तद्पश्चात यह सीड़लिग किसानों को प्रक्षेत्र में बुआई के लिए प्रदान किया जाता है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है जनपद मे प्रगतिशील कृषक रितेश यादव ग्राम रामनगर विकासखंड बदलापुर द्वारा हाईटेक नर्सरी मे तैयार पौध का रोपण अपने प्रक्षेत्र में कराया गया, उक्त कृषक द्वारा अपने प्रक्षेत्र में 10 साल के लिए कान्ट्रेक्ट फार्मिग करके सब्जी की खेती उक्त योजना के अन्तर्गत किया जा रहा है जिसमे मटर, करैला, बैगन, टमाटर, शिमलामिर्च को जैविक विधि द्वारा तैयार कर सालाना 07 से 08 लाख का मुनाफा दर्ज कराया गया है। उक्त कृषक प्रक्षेत्र में हाइटेक नर्सरी से 300 पौधे शिमला मिर्च कृषक द्वारा लगाया गया, जिसमें 45 दिन के अंदर फल आ गये, जिसमें उत्पादन करीब 02 कुंतल प्राप्त हुआ। शिमला मिर्च का बाजार मूल्य 60 से 70 रू0 प्रतिकिलों प्राप्त हो रहा है। कृषक द्वारा 3500 टमाटर, 300 बैगन, के पौध ा हाईटेक नर्सरी के0बी0के0 बक्शा द्वारा प्राप्त कर प्रक्षेत्र मे रोपित किया गया, जिससे करीब 1.50 कुंतल बैगन प्राप्त हुआ, जिसका बाजार मूल्य कृषक को 40 से 50 रू0 प्रति किलो हो रहा है। कृषक प्रक्षेत्र से उत्पादित करैला का बाजार मूल्य 80 रू0 प्रति किलो ग्राम प्राप्त हो रहा है तथा मटर का उत्पादन अब तक 3.50 कुंतल हुआ जिसका बाजार मूल्य 70 से 80 रू प्रति किलोग्राम प्राप्त हो रहा है। उक्त उत्पादन की खास विशेषता यह रही कि इसमें जैविक खाद के रूप में संड़ी गोबर की खाद, जीवामृत एवं घनामृत का प्रयोग प्रभावी ढंग से किया गया है। जिसका परिणाम यह हुआ कि कृषक को कृषि उत्पाद बाजार तक नही ले जाना पड़ा तथा समस्त कृषि उत्पाद व्यापारियों द्वारा कृषक प्रक्षेत्र से ही विक्रय कर लिया जाता है। जैविक विधि द्वारा खेती करने से कीटनाशको एवं रासायनिक उर्वरको पर होने वाले खर्च से भी बचत हो रही है। जैविक विधि द्वारा तैयार कीटनाशक का प्रयोग करके (यथा–मट्ठा, अदरक, लहसुन, मिर्च के मिश्रण द्वारा) पौधो को रोग मुक्त किया जा रहा है। प्रगतिशील कृषक रितेश द्वारा बताया गया कि हाईटेक नर्सरी के0बी0के0 बक्शा द्वारा प्राप्त पौधे की मारटेलिटी बिल्कुल नही है 100 प्रतिशत पौध खेत मे लग गये है श्री यादव द्वारा हाईटेक पौधो से अच्छा मुनाफा कमाया जा रहा है, जो कि जनपद मे अन्य कृषको के लिए प्रेरणा स्रोत के रूप मे कार्य कर रहे है। जनपद के अन्य सभी सब्जी के खेती करने वाले कृषको से अपील है कि के0बी0के0 बक्शा मे तैयार सब्जी की नर्सरी 02 रू0 प्रति पौध प्राप्त कर अपने खेतो मे लगाये ताकि वो भी अपने फसल से अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकें।

शत–प्रतिशत पशुओं की ईयर टैकिंग न होने पर पशु चिकित्सा अधिकारी नोटिस

एन0आर0एल0एम0 की खराब प्रगति पर मिशन प्रबन्धक को चेतावनी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने ब्लाक शाहाबाद के आर.आर. सी. सेन्टर सिकन्दरपुर नरकतरा, मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र सिकन्दरपुर नरकतरा,अस्थायी गौ आश्रय स्थल सिकन्दरपुर नकरतरा तथा विकास खण्ड कार्यालय शाहाबाद का निरीक्षण किया गया। आंगनवाड़ी केन्द्र पर व्यवस्था सही पाये जाने पर ग्राम प्रधान एवं सचिव की सराहना की गयी साथ ही आर0आर0सी0 सेन्टर का संचालन तत्काल प्रारम्भ करवाते हुए डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कराने के निर्देश दिये गये। गौशाला के निरीक्षण में 181 गौवंश संरक्षित पाये गये, परन्तु शत–प्रतिशत पशुओं की ईयर टैकिंग न पाये जाने पर पशु चिकित्सा अधिकारी, शाहाबाद डा0 रघुवीर सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया साथ ही बीमार वृद्ध एवं नवजात पशुओं पृथक–पृथक रखने के निर्देश दिये गये। ब्लाक परिसर,

सभागार, मनरेगा कक्ष, एन0आर0एल0एम0 कक्ष व सभी पटलों का निरीक्षण किया गया तथा आलमारी खुलवाकर अभिलेखों को देखा गया । अभिलेखों रख–रखाव ठीक पाया गया। ब्लाक के निरीक्षण में एन0आर0एल0एम0 की प्रगति खराब पाये जाने पर ब्लाक मिशन प्रबन्धक, राम सिंह वर्मा, चन्दन कुमार उपाध्याय एवं उपेन्द्र सिंह पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी गयी कि शत–प्रतिशत डिमाण्ड प्रेषित न करने की स्थिति उनके विरूद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। निरीक्षण के समय ब्लाक प्रमुख शाहाबाद त्रिपुरेश मिश्रा,खण्ड विकास अधिकारी,शाहाबाद गौरव पुरोहित,पशु चिकित्सा अधिकारी डा0 रघुवीर सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी राजेन्द्र कुमार, ग्राम प्रधान सिकन्दरपुर नरकतरा एवं सचिव सिकन्दरपुर नरकतरा सहायक विकास अधिकारी,पं0 जितेन्द्र सिंह एवं अन्य ब्लाक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

15 फरवरी से शुरू होगी 13 केंद्रों पर होगी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

अयोध्या।15 फरवरी से 13 परीक्षा केन्द्रों पर सीबीएसीई की परीक्षा शुरु होने जा रही है।इस वर्ष सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में करीब 7,500 छात्र– छात्राएं शामिल होंगे। इस बात की जानकारी देते हुए सीबीएसई बोर्ड के सिटी कोऑर्डिनेटर अजीत द्विवेदी ने बताया इस बार सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 4000 व इंटर के 3500 छात्र–छात्राएं परीक्षार्थी के रूप में शामिल होकर परीक्षा देंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा को निष्पक्ष तथा पारदर्शिता व नकल विहीन बनाने के लिए जिले मे 13 विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।बनाये गए परीक्षा केदो में जयपुरिया इंटर कॉलेज,टाइनी टाट्स इंटर कॉलेज, फैजाबाद पब्लिक स्कूल,कैब्रियन स्कूल,केंद्रीय विद्यालय, आर्मी स्कूल,महाराजा पब्लिक स्कूल,उदया पब्लिक स्कूल, भवदीय पब्लिक स्कूल ,अवध इंटर नेशनल,नरेंद्र देव डीएवी कुमारगंज,जवाहर नवोदय व जेबी एकेडमी शामिल है।उन्होंने बताया कि सीबीएसई बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन संपन्न करने के लिए सीबीएसई बोर्ड द्वारा तय किए गए मानक पर खड़े उतरने वाले ही विद्यालयों को इस वर्ष परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

मिशन शक्ति फेस – 5 के तहत महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया जा रहा जागरूक

ऑपरेशन मजनू के तहत 280 में 255 मनचलों पर हुई कार्यवाही – बलवंत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। 3 अक्टूबर से अनवरत 90 दिनों तक शासन द्वारा महिलाओ को आत्मरक्षा व कानून की जानकारी देने के लिए मिशन शक्ति फेज – 5 के तहत सभी थाना क्षेत्रों में इस अभियान मे शामिल पुलिस कर्मियों द्वारा जानकारी दी जा रही है।इस अभियान मे महिला पुलिस कर्मियों द्वारा जहां एक ओर महिलाओ व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति जागरुक किया जान रहा है वही अराजक तत्वों पर इन पुलिस कर्मियों द्वारा शिकंजा भी कसा जा रहा है।इस संबंध मे मिशन शक्ति फेज – 5 के नोडल अधिकारी ध एसपी ग्रामीण बलवंत ने बताया कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस योजना के तहत सभी थाना क्षेत्रों मे महिला पुलिस महिलाओ व बालिकाओं को उनके सुरक्षा के प्रति जागरुक कर रही है।उन्होंने बताया कि अभी तक साइबर अपराध सम्बंधी 3 प्रार्थना पत्रो का इस अभियान के तहत निस्तारण कराया जा चुका है।जिले में सभी सीडी, डीएवीडी,पुस्तके,साहित्य

सामाग्रियो की भी दुकाने पर प्रतिदिन चेकिंग की जा रही है।लेकिन अभी तक इन जगहों से किसी भी तरह की आपत्तिजनक वस्तुएं नहीं पाई गई।उन्होंने बताया किष्आपरेशन मजनूष के तहत इस अभियान में शामिल महिला पुलिस कर्मियों ने लगभग 280 मनचलों को चिन्हित कर उनमें से 255 के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की गई।वही ष्आपरेशन बचपनष के के तहत लगभग 8 बच्चों को पुनर्वासित कराया जा चुका है।उन्होंने बताया कि इस ष्आपरेशन कन्वीक्शनष के तहत 5 अभियोगों मे सजा कराया गया और शेष की प्रयास जारी है।वही वन स्टाप सेण्टर के माध्यम से अब तक लगभग 89 महिलाओ की काउन्सलिंग करायी गयी,45 महिलाओ को अस्थाई आश्रय उपलब्ध कराया गया। इसके अलावा लगभग 43 महिलाओं को उनके घर पहुचाया गया।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा चलाई जा रही इस महत्वाकांक्षी अभियान में विभिन्न जगहों पर लगभग 2100 कार्यक्रमों का आयोजन कर इसमें लगभग 29500 महिलाओं से मुलाकात किया गया। जिसमे महिला बीट पुलिस अधिकारियों द्वारा लगभग 235 प्रार्थना पत्र प्राप्त कर सबका निस्तारण कराया गया। जबकि लगभग 36500 बालिकाओं व महिलाओं को बीएनएसध्बीएनएसएस नये कानून की जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि इसके अलावा महिला पुलिस कर्मियों द्वारा जिले के सभी थाना क्षेत्र में व बालिकाओं को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी योजनाओं के साथ–साथ सुरक्षात्मक उपाय की जानकारी भीदया जा रहा है।जिसकी समीक्षा वें बीच–बीच में स्वयं कर रहे हैं।

जमीनी विवाद में हुए मारपीट में छह गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के दो गांवो में गुरुवार को जमीनी विवाद को लेकर जमकर बवाल हुआ।घटना की जानकारी होते ही पुलिस सक्रिय हो गयी।मामलों में आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्र के कोडडा गांव में एक पक्ष के कृष्णदेव शुक्ला तथा दूसरे पक्ष के सुबाष शुक्ला से जमीनी विवाद को लेकर गाली गलौज व झगड़ा होने लगा।सूचना पुलिस को दी गयी।सूचना पाकर एस आई धनुषधारी पाण्डेय व उमेश चन्द्र पाण्डेय मय फोर्स

मौके पर पहुंच गए।मौके से एक पक्ष के कृष्णदेव शुक्ला तथा संतोष शुक्ला तथा दूसरे पक्ष के सुभाष शुक्ला तथा उनके पुत्र अंकित शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया।वही धनेजा गांव में सोहन कुमार तथा राजीव कुमार पुत्रगण स्वर्गीय अभयराज जमीनी विवाद में मारपीट कर रहे थे।दोनो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।सभी का चालान न्यायालय भेज दिया गया।

वेतन कटौती से नाराज जूनियर डॉक्टरों का हंगामा, मरीजों की परेशानियां बढ़ीं

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । उमानाथ सिंह स्वशासी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) में बुधवार को जूनियर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ ने वेतन कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिससे ओपीडी सेवाएं बाधित हो गईं और मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जूनियर डॉक्टरों का आरोप है कि उपस्थिति मशीन में महज 2–3 मिनट की देरी से पंच इन करने पर बिना किसी पूर्व सूचना के वेतन काट लिया गया। इस अचानक फैसले ने डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ में नाराजगी पैदा कर दी। प्रदर्शन के दौरान प्राचार्य प्रो. शिवकुमार मौके पर पहुंचे लेकिन डॉक्टरों से बिना बातचीत किए लौट गए। इससे

नाराज डॉक्टरों ने प्राचार्य के कार्यालय में जाकर शिकायत दर्ज कराई। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा कि प्रशासन ने उन्हें वेतन कटौती की जानकारी नहीं दी और यह कदम उनके आत्मसम्मान पर चोट है। प्रदर्शन के कारण ओपीडी सेवाएं प्रभावित हुईं। पंजीकरण काउंटर में एक खिड़की बंद होने से मरीज लंबी कतारों में खड़े रहे। कई मरीज, जो दूर–दराज से इलाज के लिए आए थे, बेबस नजर आए। प्राचार्य प्रो. शिवकुमार ने आश्वासन दिया कि कटा हुआ वेतन जल्द वापस किया जाएगा, लेकिन उनकी चुप्पी और प्रशासनिक चूक से डॉक्टरों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। वहीं, सीएमएस डॉ. एए जाफरी ने मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

हाईकोर्ट ने हरदोई बीएसए को निलंबित करने का दिया आदेश

विवादित विजय प्रताप सिंह लखनऊ बीएसए रहते भी हुए थे सस्पेंड

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

बेसिक शिक्षा अधिकारी वीपी सिंह को मनमानी भारी पड़ गई है। उनके द्वारा निलंबित शिक्षक को टर्मिनेट करने और उसके देयकों के भुगतान के बारे में उच्च न्यायालय के दो निर्देशों की अवहेलना की गाज गुरुवार को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह पर गिरी है। दरअसल हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जस्टिस अब्दुल मुईन ने बीएसए वीपी सिंह को निलंबित करने का शासन को आदेश दिया है। मामला बावन ब्लॉक के सधई बेहटा परिषदीय विद्यालय में तैनात रहे अध्यापक राजीव कुमार मिश्रा से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार राजीव को विभाग ने पहले निलंबित और बाद में बर्खास्त कर दिया था। राजीव विभाग की कार्यवाही और देयकों आदि के भुगतान नहीं होने का मामला उच्च न्यायालय लखनऊ ले गए थे।देयकों के भुगतान को लेकर हाई कोर्ट ने दो मर्तबा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह को दिशा निर्देश जारी किए थे। लेकिन, वीपी सिंह ने हाई कोर्ट के निर्देश पर अमल नहीं किया। न्यायालय की अवमानना से क्षुब्ध जस्टिस अब्दुल मुईन ने हरदोई बीएसए को निलंबित करने का आदेश उत्तर प्रदेश शासन को दिया है और भविष्य में कभी बीएसए जैसे महत्वपूर्ण पद से इन्हें दूर रखने के दिशा निर्देश सरकार को जारी किए हैं।

05 महीने पहले दिखाई थी हरदोई में हनक

हरदोई के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह का पांच महीने पहले शासन ने हरदोई से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय स्थानांतरण कर रतन कीर्ति को हरदोई बीएसए की पोस्ट पर तैनाती दी थी। लेकिन, विजय प्रताप ने चार्ज नहीं छोड़ा था और ट्रांसफर रुकवाने को राजधानी में लंगर डाल दिया था। इधर, चार्ज नहीं मिलने से हैरान रतन कीर्ति द्वारा डीजी (बेसिक शिक्षा) को पत्र लिख पूर्व बी एस ए विजय प्रताप सिंह की शिकायत की गई। लिखा था, वीपी सिंह विभागीय दायित्वों को सौंपने में सहयोग नहीं कर रहे हैं। सरकारी वाहन और सीयूजी नंबर भी नहीं मिला है।काफी हुज्जत कर रतन कीर्ति ने हरदोई में ज्वाइन किया था। मगर, अगले कुछ दिन में वीपी सिंह का रुतबा शासन पर भारी रहा और शासनादेश पलटवाकर विजय प्रताप पुनः जनपद में बी एस ए पद पर प्रतिष्ठापित होने में सफल हो गए थे।

मीर अनीस के मरसिए विश्व साहित्य में उर्दू भाषा की श्रेष्ठता को साबित करते हैं

ऊर्दू के बड़े शायर मीर अनीस की 150वीं बरसी पर 'यादे मीर अनीस'

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । मशहूर शायर मीर बब्बर अली अनीस की 150वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी विद्वतापूर्ण और साहित्यिक सेवाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए 'यादे मीर अनीस' कार्यक्रम का आयोजन मोहल्ला अजमेरी स्थित मरहूम सैयद अली शब्बर के मकान के इमामबाड़ा में किया गया। इस कार्यक्रम में मीर अनीस के जीवन, उनकी शायरी और मरसिए पर विशेष चर्चा हुई। उपस्थित विद्वानों ने अनीस की अद्वितीय लेखन शैली और उनके योगदान को अपने शब्दों में व्यक्त किया। मौलाना सैयद मोहम्मद शाजान जैदी ने कहा, ष्मीर अनीस ने उर्दू के शोक काव्य (मरसिया) को अपनी रचनात्मकता से शिखर तक पहुंचाया। उन्होंने साबित किया कि उर्दू में उत्कृष्ट साहित्य केवल गजल तक सीमित नहीं है।ष अनीस आज भी उर्दू में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले शायरों मे से एक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सैय्यद मोहम्मद मासूम ने कहा, ष्अनीस के मर्सिए युद्धकला और कर्बला की घटनाओं का इतना जीवंत वर्णन करते हैं कि पाठक के मन में घटनाओं की सजीव छवि उभरती है। उनकी लेखन शैली में बिम्बात्मकता और मानवीय भावनाओं का गहरा प्रभाव है। मुफ्ती नजमुल हसन ने कहा, ष्अनीस ने अपनी शायरी के माध्यम से जो मुकाम हासिल किया, वह बहुत कम शायरों को नसीब होता है। उन्होंने दरबारी शायर बनने से सख्ती से इंकार किया, जो उनकी आत्मनिर्भरता और साहित्यिक स्वतंत्रता को दर्शाता

है। कार्यक्रम के दौरान एहतेशाम रूधौलवी ने अनीस का लिखा हुआ एक मरसिया पढ़ा और कहा, ष्अगर अनीस की विरासत को उर्दू से हटा दिया जाए, तो इसकी साहित्यिक गहराई आधी रह जाएगी। उनके मरसिए विश्व साहित्य में उर्दू भाषा की श्रेष्ठता को साबित करते हैं। मुफ्ती दानिश काजमी ने बताया कि भारत सरकार ने अनीस के सम्मान मे 1975 मे डाक टिकट जारी किया था। अन्त मे दुआ कराई गई। संचालन सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने किया। इस अवसर पर कैफी मोहम्मदाबादी, हसन मुस्तफा कायम, वजीह आब्दी, सैयद मोहम्मद अब्बास, सैयद आमिर मेहंदी, आरिफ हुसैनी, अकबर अब्बास, मोहसिन रजा, अब्बास महमूद, आरिज काजमी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अमित ने सभासद उपचुनाव में लहराया भाजपा का झण्डा

सपा के हरिश्चन्द्र को दिया 62 मतों से पटकनी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर पूर्व सभासद चन्दा देवी के निधन के बाद रिक्त हुए नगर पालिका परिषद मुंगराबादशाहपुर के वार्ड नं. 4 पकड़ी गोदाम के लिए हो रहे सभासद उपचुनाव के लिए गुरुवार को तहसील परिसर में मतगणना सम्पन्न हुई । जिसमें पूर्व सभासद स्व0 चन्दा देवी पत्नी कामता प्रसाद के पुत्र एवं भाजपा से अधिकृत प्रत्याशी अमित कुमार ने सपा से अधिकृत प्रत्याशी हरिश्चन्द्र को 62 मतों से हराया । भाजपा प्रत्याशी अमित कुमार को कुल 338 मत मिले जबकि निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के हरिश्चंद को 276 मत प्राप्त हुए । वहीं निर्दल प्रत्याशी मो0आकिब को मात्र 24 मत मिले । कुल 650 मत पड़े थे , जिसमें 11 मत अवैध घोषित किए गए ।निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार अजीत कुमार , सहायक निर्वाचन अधिकारी डॉ0अविनाश सिंह की उपस्थिति में शान्ति पूर्ण ढंग से मतगणना सम्पन्न हुई ।नगर पालिका अध्यक्ष कपिल मुनि गुप्ता सहित सभी सभासदों एवं समर्थकों ने उपचुनाव में विजयी प्रत्याशी अमित को फूल–मालाएं पहनाकर राजनीतिक पारी शुरू करने की शुभकामनाएं दिया । सभासद उपचुनाव की मतगणना के मद्देनजर तहसील परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा ।

श्रीप्रकाश शुक्ला का कच्छ में भव्य स्वागत एवं सम्मान

सुजानगंज,जौनपुर

सुजानगंज ब्लाक प्रमुख श्रीप्रकाश शुक्ला के गांधीधाम, कच्छ में उत्तर भारतीय समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने श्री शुक्ला के नेतृत्व और समाज सेवा में उनके उल्लेखनीय योगदान की भूरि–भूरि प्रशंसा की। श्री शुक्ला ने नवनिर्मित "उत्तर भारतीय भवन" का दौरा कर इस उत्कृष्ट प्रयास की सराहना की। उन्होंने भवन निर्माण के लिए प्रवासी बंधुओं के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसा भवन हर शहर में होना चाहिए और इसे समुदाय की एकजुटता का प्रतीक बताया। कार्यक्रम में श्री शुक्ला ने समाज के प्रति अपने दायित्व, समर्पण, और एकजुटता को लेकर प्रेरणादायक विचार साझा किए। उत्तर भारतीय समाज, कच्छ ने श्री शुक्ला के योगदान और नेतृत्व को अत्यधिक सराहा और भविष्य में उनके मार्गदर्शन की कामना की।उन्होंने अपने संबोधन में सभी उद्योगपतियों को सुजानगंज में अपना उद्योग बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया और हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया जिससे उपस्थित उद्योगपतियों में हर्ष व्याप्त हुआ. स्वागत समारोह में उपस्थित विशिष्टजन स्वामीनाथ दुबे, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर भारतीय कच्छ सेवा समाज, हेमचंद्र यादव, उपाध्यक्ष, उत्तर भारतीय कच्छ सेवा समाजय प्रमुख, "का–हो" सोशल क्लबय संस्थापक, श्री सुंदरकांड प्रचारक संघ, रामकरन तिवारी "भैया", समाजसेवी, प्रकाशचंद्र मिश्रा, अध्यक्ष, हिंदू वाहिनी, कच्छ, प्रकाश अग्रवाल, सदस्य, श्याम मित्र मंडल, अवधेश उपाध्याय, अध्यक्ष, उत्तर भारतीय ब्राह्मण समाजय उपाध्यक्ष, उत्तर भारतीय कच्छ सेवा समाज,अजय कुमार सिंह, प्रमुख, गांधीधाम नगरपालिका, कौशल कुमार दुबे,शंकर दूबे, हरिओम शुक्ला, कोषाध्यक्ष, उत्तर भारतीय कच्छ सेवा समाज कृष्णा मिश्रा, अध्यक्ष, पूर्वांचल विकास परिवार देवी प्रसाद पांडे, उत्तर भारतीय कच्छ सेवा समाज गिरीश तिवारी,अरुण मिश्रा. इस सम्मान समारोह का आयोजन "का–हो" सोशल क्लब, गांधीधाम, कच्छ, गुजरात द्वारा किया गया।

नोएडा की बीटेक छात्रा से लखनऊ में सामूहिक दुष्कर्म

लखनऊ,(संवाददाता)। नोएडा के एक विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली बीटेक की छात्रा को लखनऊ बुलाकर गैंगरेप करने का मामला सामने आया है। छात्रा इंस्टाग्राम फ्रेंड के बुलाने पर वहां गई थी। पीड़िता ने रविवार को इंदिरानगर थाने में चार युवकों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। गोरखपुर की रहने वाली 25 वर्षीय युवती नोएडा के एक विश्वविद्यालय में बीटेक तृतीय वर्ष की छात्रा है। उनकी दोस्ती कुछ वक्त पहले इंदिरानगर के तकरोही निवासी सतीश कश्यप से इंस्टाग्राम पर हुई थी। आरोप है कि 12 दिसंबर को उसने मिलने के लिए लखनऊ बुलाया। वह जब बीबीडी विवि के पास पहुंची तो आरोपी एसयूवी लेकर आया। आरोपी घुमाने के बहाने से उनको गोमतीनगर ले गया। देर रात होने पर उसने रुक जाने की बात कही और सुबह नोएडा जाने के लिए कहा। इस पर वह राजी हो गईं। युवती के अनुसार आरोपी उनको इंदिरानगर के अमराई गांव में एक कमरे पर ले गया। वहां उसके तीन साथी इंदिरानगर के युसूफ, जतिन और मन्नू यादव भी थे। चारों ने युवती पर असलहा तान दिया और बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म किया। उसने सबसे गुहार लगाई, लेकिन वे नहीं माने। विरोध पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। युवती का कहना है कि जान बचाने के लिए वह चुप रही।

वन स्टॉप सेंटर के पूर्व कर्मियों पर 4.70 लाख की धोखाधड़ी का केस

लखनऊ,(संवाददाता)। आशियाना स्थित वन स्टॉप सेंटर में तैनात रहे कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) मनोज वर्मा व केयरटेकर हेमलता के खिलाफ कृष्णानगर थाने में 4.70 लाख की ठगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है। दोनों ने हमीरपुर के सुमेरपुर निवासी मो. रफीस खान की रिश्तेदार नफीसा बानो, परिचित श्वेता सिंह व मोहसिन खान से सीएचओ पद पर स्थाई नियुक्ति के नाम पर ठगी की थी। रफीस ने बताया कि 2022 में सीएचओ की भर्तियां निकली थीं।

सीआईसी के खिलाफ दाखिल की याचिका

लखनऊ,(संवाददाता)। सूचना का अधिकार कानून 2005 पारदर्शिता सुनिश्चित करके भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाकर सरकार और सरकारी व्यवस्था को जनता के प्रति उत्तरदायी बनाने का प्रावधान करता है। हालांकि, कुछ लोगों ने इस अधिकार का निजी फायदे और अधिकारियों को परेशान करने के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। ऐसे ही एक मामले में राज्य उपभोक्ता आयोग ने अधिकारी को राहत देते हुए याची पर भारी जुर्माना लगा दिया है। दरअसल, याची सुनील वैश्य ने राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष व पीठासीन न्यायमूर्ति अशोक कुमार और न्यायमूर्ति विकास सक्सेना की खंडपीठ ने सुनवाई।?

ट्रॉमा सेंटर पहुंची घायल महिला को भेज दिया निजी अस्पताल इलाज के दौरान हो गई मौत

लखनऊ,(संवाददाता)। केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर से मरीजों को निजी अस्पताल पहुंचाने वाले दलालों पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। बेहतर इलाज का झांसा देकर यहां सक्रिय दलाल ने घायल हरदोई के बघौली निवासी मुन्नी देवी (66) को आईआईएम रोड स्थित फीब्स हॉस्पिटल पहुंचा दिया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान मुन्नी देवी की मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने उन्हें शांत कराया। मुन्नी देवी 30 नवंबर को सड़क हादसे में घायल हो गई थीं। उनके दाहिने पैर की हड्डी टूट गई थी। रीढ़ में भी चोट थी। परिजन पहले उन्हें लेकर जिला अस्पताल हरदोई गए थे। वहां पर हालत गंभीर बताकर उन्हें 30 नवंबर को ही ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया था। बेटे शिशुपाल ने बताया कि खुद को डॉ. विनोद बताने वाले शख्स ने उनसे संपर्क किया। कथित डॉक्टर ने बताया कि वह ट्रॉमा सेंटर में तैनात है। यह भी कहा कि ट्रॉमा सेंटर में अच्छा इलाज नहीं मिल पाएगा। खुद को डॉक्टर बताने वाले शख्स ने कहा, हमारे बताए अस्पताल में मां को ले

जाओ, वहां हर दिन महज पांच हजार का खर्च आएगा। बेहतर इलाज भी मिलेगा। शिशुपाल के मुताबिक, वह झांसे में आ गए और निजी अस्पताल जाने को राजी हो गए। कुछ ही देर में ट्रॉमा सेंटर में निजी अस्पताल की एंबुलेंस आ गई। ट्रॉमा सेंटर के गार्ड और स्टाफ ने निजी एंबुलेंस को मरीज को ले जाते देखा, लेकिन किसी ने टोका नहीं। कुछ ही देर में एंबुलेंस आईआईएम रोड स्थित फीब्स हॉस्पिटल पहुंच गई। अस्पताल संचालक ने हालत नाजुक बताते हुए मुन्नी देवी को आईसीयू में भर्ती किया था। इलाज के लिए करीब ढाई लाख रुपये की मांग की गई। बेटे शिशुपाल का आरोप है, मैंने अस्पताल प्रशासन को बताया कि हमारे पास आयुष्मान कार्ड है, लेकिन अस्पताल प्रशासन ने कार्ड पर इलाज मुहैया कराने से मना कर दिया। जबकि आयुष्मान कार्ड होने पर पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज देने का प्रावधान है। शिशुपाल का कहना है, मुझसे ऑनलाइन करीब 25 हजार रुपये जमा कराए गए। एक लाख रुपये और देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। इलाज में लापरवाही से मां की मौत हो गई। मां के इलाज से जुड़ी जांच रिपोर्ट भी हमें नहीं दी गई। वहीं, मुन्नी देवी का इलाज करने वाले फीब्स हॉस्पिटल के डॉ. नरेंद्र ने बताया कि मरीज की हालत नाजुक थी। उनकी हड्डी भी टूटी थी, जिसका ऑपरेशन संभव नहीं था। परिजनों ने अस्पताल के खिलाफ लापरवाही और वसूली का आरोप लगाते हुए मड़ियांव थाने में तहरीर दी है। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया कि शिकायत मिली है। सीएमओ को पत्र लिखा गया है। सीएमओ की रिपोर्ट पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। शिकायत मिलने पर कमेटी गठित कर जांच कराई जाएगी। अस्पताल की लापरवाही व आयुष्मान मरीज से वसूली के साक्ष्य मिलने पर अस्पताल पर कार्रवाई होगी। गोलागंज निवासी आलम केजीएमयू में भर्ती थे। पत्नी मुस्कान के मुताबिक, 14 नवंबर को खदरा पक्का पुल स्थित एमजे हॉस्पिटल से डॉ. जुनैद नामक शख्स की कॉल आई। इस शख्स ने बेहतर इलाज का झांसा दिया। यही नहीं केजीएमयू में एंबुलेंस भिजवाकर मरीज को शिफ्ट करा लिया गया। इलाज के दौरान 15 नवंबर को आलम की मौत हो गई। पत्नी ने अस्पताल संचालक पर वसूली व इलाज में कोताही का आरोप लगाते हुए पुलिस कमिश्नर व सीएमओ से शिकायत दर्ज कराई है। लखीमपुर के सुरेंद्र पाल सिंह की पत्नी पूनम मौर्य को बेहतर सर्जरी होने का झांसा देकर 6 नवंबर को खदरा के केडी अस्पताल पहुंचा दिया गया था। केडी अस्पताल में सर्जरी के बाद पूनम की मौत हो गई थी। मरीज को शिफ्ट कराने में केजीएमयू प्रशासन ने संविदा पर तैनात चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसकी सेवाएं समाप्त कर दी थी। मरीजों को शिफ्ट कराने के मामलों पर गौर करें तो कई सवाल उठते हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि मरीजों की सूचना कैसे दलालों तक पहुंच रही है? यहां तक की तीमारदारों के फोन नंबर तक दलालों तक पहुंच जा रहे हैं। साफ है यह सब मिलीभगत के बिना नहीं हो सकता। कुछ ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो मरीजों की सूचनाएं निजी अस्पतालों तक पहुंचाते हैं। केजीएमयू प्रशासन को इनका पता लगाकर कार्रवाई करनी होगी।

राम मंदिर के दूसरे तल पर गर्भगृह बनकर तैयार

लखनऊ,(संवाददाता)। राम मंदिर निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। 161 फीट ऊंचे तीन मंजिला राम मंदिर के प्रथम तल का 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। दूसरे तल पर गर्भगृह का निर्माण पूरा हो गया है। दूसरे तल पर भी एक मंदिर स्थापित करने का निर्णय भवन निर्माण समिति की ओर से किया गया है। राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना की जानी है। राम दरबार का निर्माण जयपुर में चल रहा है। मूर्तिकार सत्य नारायण पांडेय राम दरबार की मूर्तियों को आकार दे रहे हैं। राम दरबार को आकार देने का काम लगभग 60 फीसदी पूरा हो चुका है। राम दरबार में सीताराम की मूर्ति एक साथ होगी। जबकि लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न व हनुमान जी की अलग–अलग मूर्तियां होंगी। मूर्ति के निर्माण का काम जनवरी तक पूरा हो जाएगा। जनवरी में ही मूर्ति बनकर अयोध्या पहुंच जाएगी। राम मंदिर के प्रथम तल पर काम लगभग पूरा हो चुका है। कुछ स्तंभों में आइकोनोग्राफी से मूर्ति उकेरी जा रही है। यह काम भी अंतिम चरण में पहुंच चुका है जबकि दूसरे तल की छत पड़ चुकी है। अब यहां फिनिशिंग का काम चल रहा है। दूसरे तल की फर्श का काम भी तेजी से चल रहा है। प्रथम तल से दूसरे तल पर जाने के लिए सीढ़ियां भी बन चुकी हैं। दूसरे तल पर भी एक मंदिर स्थापित करने का निर्णय पिछले दिनों हुई ट्रस्ट की बैठक में लिया गया है। दूसरे तल पर सभी भाषाओं में लिखी रामायण भी संरक्षित की जाएगी। राम जन्मभूमि परिसर के तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र में गोस्वामी तुलसी दास के मंदिर का भी निर्माण शुरू हो गया है। गोस्वामी तुलसी दास की मूर्ति जयपुर में बन रही है. मूर्ति जहां स्थापित की जानी है, उसका फाउंडेशन भी तैयार हो चुका है। अब यहां पैडेस्टल बनाने का काम हो रहा है। यह मंदिर 1500 वर्ग फीट में बनाया जाएगा। रामचरित मानस की रचना करते हुए मुद्रा में तुलसी दास की मूर्ति निर्मित हो रही है।

एक और मेगा ब्लॉक, चार विशेष गाड़ियां हुईं निरस्त

लखनऊ,(संवाददाता)। पूरे दिसंबर और जनवरी के अंतिम सप्ताह तक ट्रेन यात्रियों को दुश्वारियों से गुजरना होगा। 20 से 24 दिसंबर तक 14 ट्रेनों को निरस्त किए जाने के बाद रेलवे ने लखनऊ मंडल के बाराबंकी–जाफराबाद रेलखंड में मेगा ब्लॉक के कारण बरेली होते हुए गुजरने वाली चार विशेष ट्रेनों को 18 दिसंबर से जनवरी के पहले सप्ताह तक निरस्त कर दिया है। आठ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। इसके अलावा 18 ट्रेनों को दिसंबर के पहले सप्ताह ही कोहरे के कारण तीन माह के लिए निरस्त किया जा चुका है। बाराबंकी–जाफराबाद रेलखंड में मेगा ब्लॉक के कारण जयनगर से चलने वाली 04651 जयनगर–अमृतसर विशेष 20 दिसंबर से सात जनवरी तक और अमृतसर से चलने वाली 04652 अमृतसर–जयनगर विशेष ट्रेन 18 दिसंबर से पांच जनवरी तक निरस्त कर दी गई है। जोधपुर से चलने वाली 04829 जोधपुर–गोरखपुर विशेष ट्रेन 19, 26 दिसंबर और दो जनवरी को व गोरखपुर से चलने वाली 04830 गोरखपुर–जोधपुर विशेष ट्रेन 20, 27 दिसंबर व तीन जनवरी को निरस्त रहेगी। 15934 अमृतसर–न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस को 20, 27 दिसंबर व तीन जनवरी को रायबरेली, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी के रास्ते चलाया जाएगा। 14017 रक्सौल–आनंद विहार एक्सप्रेस 19, 26 दिसंबर व दो जनवरी को जाफराबाद, सुल्तानपुर, लखनऊ के रास्ते चलाया जाएगा। इसके अलावा 14650 अमृतसर–जयनगर एक्सप्रेस 18, 21, 23, 25, 28, 30 दिसंबर और एक, चार व छह जनवरी को परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर के रास्ते चलाई जाएगी। 15115 छपरा–दिल्ली एक्सप्रेस 21 व 28 दिसंबर और 15116 दिल्ली–छपरा एक्सप्रेस 22 व 29 दिसंबर को गोरखपुर–गोंडा–बाराबंकी के रास्ते चलाई जाएगी। 15557 दरभंगा–आनंद एक्सप्रेस 16, 19, 23, 26, 30 दिसंबर को 15558 आनंद विहार टर्मिनल–दरभंगा एक्सप्रेस 17, 20, 24, 27, 31 दिसंबर को गोरखपुर, गोंडा, बाराबंकी के रास्ते चलाई जाएगी। 15716 अजमेर–किशनगंज गरीब नवाज एक्सप्रेस 17 से 31 दिसंबर और दो व छह फरवरी को परिवर्तित मार्ग बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर, छपरा के रास्ते चलाई जाएगी।

एसबीआई जनरल इंश्योरेंस की अपील खारिज

लखनऊ,(संवाददाता)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने यूपी एपेक्स हैंडलूम संस्था को राहत देते हुए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी को संस्था के नुकसान की पूरी राशि देने का आदेश दिया। साथ ही बीमा कंपनी को एक लाख रुपये का हर्जाना भी देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष और पीठासीन न्यायमूर्ति अशोक कुमार ने एसबीआई जनरल इंश्योरेंस की याचिका पर यह फैसला सुनाया। बीमा कंपनी ने जिला उपभोक्ता आयोग के आदेश के खिलाफ राज्य आयोग में अपील की थी। यूपी एपेक्स संस्था ने कुर्सी रोड स्थित मिश्रापुर में एक दुकान खोली थी जिसका बीमा याची कंपनी से कराया गया था। 14 नवंबर 2020 को आग लगने से दुकान का सारा सामान जल गया। बीमा कंपनी ने पहले 26.30 लाख रुपये के नुकसान का आंकलन किया। फिर दोबारा निरीक्षण करने के बाद आंकलन में बदलाव नहीं किया। हालांकि संस्था को 1.30 लाख का ही मुआवजा दिया गया। मामला जिला उपभोक्ता आयोग में पहुचने पर आयोग ने बीमा कंपनी को 30 दिन के अंदर संस्था को 25.15 लाख रुपये नौ प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान करने का आदेश दिया। साथ ही मानसिक पीड़ा के लिए एक लाख रुपये देने का आदेश दिया।

शादी का झांसा देकर युवती का यौन शोषण

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रतिष्ठित कंपनी में कार्यरत युवती को शादी का झांसा देकर युवक ने यौन शोषण किया। शादी के नाम पर 1.50 करोड़ रुपये के जेवर व अन्य सामान पीड़िता के परिजनों से लेकर हड़प लिए। बाद में आरोपी के परिजन शादी से मुकर गए। युवती ने सोमवार को आरोपी व उसके माता–पिता के खिलाफ अलीगंज थाने केस दर्ज कराया है। अलीगंज इलाके में रहने वाली युवती के मुताबिक दिल्ली में रहते हुए वर्ष 2019 में उनकी मुलाकात वाराणसी के भेलूपुर रवींद्रपुरी निवासी शुभम मटाह से हुई थी। उसके शादी का प्रस्ताव को उन्होंने ठुकरा दिया था। कोविड के चलते वह घर लौट आईं। वर्ष 2021 में बंगलूरू की एक प्रतिष्ठित कंपनी में नौकरी शुरू की। इस बीच आरोपी शुभम लगातार कॉल व मैसेज करता रहा। उसके काफी दबाव बनाने पर वह शादी के लिए राजी हो गईं। आरोप है कि एक दिन आरोपी बहाने से उनको बंगलूरू स्थित आईटीसी विंडसर होटल ले गया और नशीला पदार्थ देकर उनके साथ दुष्कर्म किया। विरोध जताने पर जल्द शादी का आश्वासन दिया और उनका शोषण करने लगा। कुछ दिनों के बाद आरोपी ने बताया कि उसके परिजन शादी के लिए राजी हो गए हैं। 12 जुलाई को दोनों की लखनऊ में सगाई हुई। इसके बाद शुभम ने युवती के परिजनों से खुद के लिए डेढ़ करोड़ रुपये के जेवर व ब्रांडेड कपड़ों की खरीदारी करवाई। युवती का आरोप है एक दिन शुभम की मां डॉ. मंजरी ने उनकी मां को कॉल की। बताया कि उनके बेटे ने शादी का वादा नहीं किया था। यह सुनकर युवती व उसके परिजन दंग रह गए। आरोपी की मां डॉ. मंजरी और पिता डॉ. सतीश से मिलने वाराणसी पहुंचे। उन लोगों ने कहा कि अगर शुभम ने शादी का वादा किया भी था तो वह गलत है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।